माघ कृष्ण पक्ष -11, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 191 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल, 14 जनवरी, बुधवार 2026

बापू के नाम को लेकर कांग्रेस का 'जीरामजी' पर बवाल आत्मघाती तो नहीं?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

महात्मा गांधी नेशनल रोजगार गारंटी स्कीम यानि मनरेगा का नाम बदलकर 'विकसित भारत जीरामजी योजना' करने को लेकर भला कांग्रेस क्यों उबल रही है? क्या एक योजना से बापू का नाम हटने से उनका महत्व कम हो जाएगा ? बिलकुल नहीं, लेकिन कांग्रेस ने पुरानी योजना के चलते देश भर में किसानों को आ रही दिक्कतों के बारे में बारीकी से सोचे समझे बगैर केवल महात्मा गांधी का नाम पकड़कर नई योजना का विरोध शुरू कर दिया। मेरी राय में यह कांग्रेस के लिए 'सेल्फ गोल' जैसा है जो फुटबाल के मैचों के दौरान अक्सर देखने को मिलता है। विरोध यह भी दर्शाता है कि कांग्रेस के सलाहकारों और रणनीतिकारों की सोच कितनी हवा हवाई है। सवाल यही है कि ऐसी सियासत के चलते क्या कांग्रेस लोकतंत्र की खातिर सशक्त विपक्ष की भूमिका निभा पाएगी और बेहतर प्रकल्प और सोच के साथ कभी भाजपा का विकल्प बन पाएगी?

अगर सिर्फ ऐसा विरोध ही लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का हथियार है तो याद रखिए इन शस्त्रों में धार नहीं है जो सरकार को छलनी कर सके या उसको हिला सके। पहली बात तो यह है कि योजना का नाम मनरेगा की जगह जीरामजी करने से बापू की हर गांव को आत्मनिर्भर बनाने की मंशा कतई प्रभावित नहीं होती। सच तो यह है कि पुरानी योजना ने मजदूरों में कर्महीनता को बढ़ावा दिया। अफसरों को भ्रष्टाचार के नए कीर्तिमान बनाने के मौके दिए। योजना में साल भर में सौ दिन मजदूरी देने की गारंटी तो थी लेकिन जो काम उसके दायरे में रखे गए थे उनका कोई वजूद है या नहीं, इसकी जांच करने का कोई तंत्र नहीं था। इस योजना का जो सबसे बड़ा साइड इफेक्ट गांवों के लोगों और खासकर किसानों ने झेला, उसके बारे में कांग्रेस ने कभी सोचा ही नहीं। जमीनी हकीकत तो यही बयां करती है कि मनरेगा लागू होने के बाद किसानों को खरीफ या रबी की फसलों के लिए मजदूर तक नहीं मिलते थे। यदि मिले भी तो इतनी ज्यादा पारिश्रमिक की मांग रहती थी कि किसानों को उसकी अदायगी में पसीने छूट जाते थे। यानि, किसानों की फसलों की लागत बढ़ना और उसे उचित मूल्य नहीं मिलना। सरकार के सामने चुनौती यह है कि वह किसानों को भी वाजिब दाम दिलाए और ज्यादा मंहगी फसलों के चलते आम उपभोक्ताओं को महंगाई के बोझ से भी बचाए।

सही मायनों में देखा जाए तो मनरेगा ने महात्मा गांधी की सोच और उनकी आत्मा को ही छलनी कर डाला था। मनरेगा के इस प्रावधान ने कि इस योजना के तहत कोई पक्के काम नहीं होगे वाली शर्त ने नौकरशाहों को जवाबदेही से भी बचा लिया था। जीरामजी योजना में अब पक्के काम भी हो सकेंगे जिसके तहत गड़बड़ी करने वालों पर कार्रवाई भी हो सकेगी। दूसरी बात यह कि खरीफ और रबी की फसलों की बोवनी और कटाई के दौरान लगभग साठ दिनों तक जीआरजी के तहत काम नहीं होंगे। लेकिन बाकी साल के दौरान सौ दिनों के बजाए सवा सौ दिन काम की गारंटी नई योजना में दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यथार्थ के खुरदरे धरातल की सच्चाई को स्वीकारते हुए इसे लागू कराया है तो इसके पीछे बापू के अपमान का उद्देश्य नहीं, बल्कि उनका गांवों को आत्मनिर्भर बनाने का सपना निहित है। अगर राहुल गांधी और उनके तथाकथित सलाहकारों को इसी जमीनी सच्चाई का अंदाजा होता तो वह योजना का विरोध करने के बजाए उसके साथ खड़े होते। देश भर के किसानों को भी अहसास होता कि कांग्रेस उनके दुख दर्द में शरीक है।

कांग्रेस के विरोध की एक वजह यह भी है कि इस योजना में पहले 90 फीसदी रकम केंद्र देता था और दस फीसदी राज्यों को मिलाना पड़ता था अब 60 फीसदी केंद्र और 40 फीसदी राज्य को वहन करना होगा। पहले राज्यों को यह तय करने का अधिकार नहीं था कि वह अपनी किसी योजना का काम मनरेगा के तहत करा सकें। सरपंच और ग्राम विकास के अफसर मिलकर काम तय कर लेते थे और काम हो या कितना हो, यह सरपंचों और अफसरों की मंशा के मुताबिक तय कर भुगतान हो जाता था। अब पचास फीसदी क्या काम कराना है, उसके हक पंचायतों के पास और शेष पचास फीसदी राज्य सरकार के पास रहेंगे। इससे राज्य की कई रूकी योजनाओं की रफ्तार में पंख लग सकेंगे। दरअसल, कांग्रेस को बापू के नाम पर विरोध करने की बजाए इसके जमीनी स्तर पर होने वाले अमल तक इंतजार करना था। लेकिन, उसकी जल्दबाजी से भाजपा को फिर एक बार यह जताने का मौका मिल गया है कि कांग्रेस राम विरोधी है जबकि बापू तो रामभक्त थे।

न्यूज विंडो

फिर एलओसी के पास दिखे पाकिस्तानी ड्रोन्स

नईदिल्ली। पाक साजिशों के बाज़ नहीं आ रहा है। 48 घंटे के अंदर दूसरी बार एलओसी के पास संदिग्ध ड्रोन देखे गये हैं। इस बार ड्रोन जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में रुष्ट के पास दिखाई दिये। दो बार संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए जिसके बाद भारतीय सेना ने फायरिंग की। सेना के सूत्रों के मुताबिक ड्रोन सर्विलांस करते हुए मंडरा रहे थे। फायरिंग के बाद ड्रोन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की ओर लौट गए।

थाईलैंड में चलती ट्रेन पर गिरी क्रेन, 22 की मौत

बैंकॉक। यहां ट्रेन के पटरी से उतर जाने के बाद 22 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक, 30 लोग इस हादसे में घायल हो गए हैं। समाचार एजेंसी एएफपी के मुताबिक, बैंकॉक से उत्तरपूर्वी थाईलैंड जा रही एक ट्रेन पटरी से उतर गई, जब एक निर्माण क्रेन ट्रेन के एक डिब्बे पर गिर गई। नाखोन रत्चासिमा प्रांत के स्थानीय पुलिस प्रमुख थचापोन चिन्नावोंग ने बताया, '22 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हो गए।

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद की कोठी में आग

नईदिल्ली। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के सांसद रवि शंकर प्रसाद की कोठी में आग लगने की खबर सामने आई है। दमकल विभाग की ओर से बताया गया है कि उन्हें 21 मदरटेरेसा क्रिसेंट रोड स्थित रवि शंकर प्रसाद की कोठी में आग की कॉल मिली थी। मौके पर पहुंच कर आग को काबू किया गया है।

आज का कार्टून

समानता की चिंता... शिक्षा के अधिकार कानून पर सर्वोच्च अदालत का फैसला

हमारा मिशन - सुप्रीम कोर्ट के जज और रिक्शा चलाने वाले के बच्चे एक साथ पढ़ें

सरकार ने कानून तो बनाया पर नहीं मिल पाता गरीब बच्चों को महंगे स्कूलों में प्रवेश

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने गरीब बच्चों को महंगे प्रायवेट स्कूलों में एडमिशन देने को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। इसमें केंद्र और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करने के लिए नियम बनाने का निर्देश दिया गया है कि निजी गैर-सहायता प्राप्त गैर-अल्पसंख्यक स्कूलों में आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए प्रवेश में 25 प्रतिशत कोटा प्रभावी ढंग से लागू हो। कोर्ट ने यह भी कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में गरीब बच्चों को प्रवेश देना 'एक राष्ट्रीय मिशन होना चाहिए।'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के भाईचारे का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है कि जब एक रिक्शा खींचने वाले का बच्चा, एक करोड़पति या सुप्रीम कोर्ट के जज के बच्चे के साथ एक ही स्कूल में पढ़े। कोर्ट ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक प्रक्रिया शुरू की है कि सभी स्कूल शिक्षा के अधिकार कानून के तहत गरीब और वंचित तबके के बच्चों के लिए 25 सीटें मुफ्त में आरक्षित करें। उल्लेखनीय है कि क़ानून अभी लागू तो है लेकिन इसका प्रभावी ढंग से पालन नहीं होता।

एक मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर की बेंच ने कहा कि आरटीई कानून सभी बच्चों को जाति, वर्ग, लिंग या आर्थिक स्थिति के आधार पर कोई भेदभाव किए बिना, एक ही स्कूल में शुरुआती शिक्षा देने की बात करता है।

जस्टिस नरसिम्हा ने अपने फैसले में लिखा, धारा 12 समानता और स्वतंत्रता के साथ भाईचारे के संवैधानिक सिद्धांत को मजबूत करती है। कोर्ट ने कहा, धारा 12 के तहत, बिना सहायता प्राप्त पास के स्कूलों में 25 फ़ीसदी बच्चों का दाखिला केवल एक अलग जनहित उपाय नहीं है, बल्कि यह भाईचारे की संवैधानिक प्रतिबद्धता और अनुच्छेद 21ए और अनुच्छेद 39(एफ) में मान्यता प्राप्त 'बच्चे के विकास' को साकार करने का एक माध्यम है।

कैसे तालमेल बिठाएंगे बच्चे..

सर्वोच्च अदालत ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के एक बयान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, यह चिंता व्यक्त की जाती है कि वंचित समूह और कमजोर तबके के बच्चे ऐसे माहौल में कैसे तालमेल बिठा पाएंगे जहां अमीर बच्चे भी मौजूद हैं। कोर्ट के अनुसार यह समस्या तब हल हो सकती है जब शिक्षण प्रक्रिया और शिक्षक इन बच्चों को ज्ञान के स्रोत के रूप में उपयोग करें ताकि उनका आत्म-सम्मान और पहचान बढ़े और उन्हें बराबरी का दर्जा मिले। बेंच ने कहा कि यह आवश्यक है कि आरटीई कानून की धारा 38 के तहत प्रभावी नियम और कानून बनाए जाएं।

हलफनामा पेश करे बाल आयोग

अदालत ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग और राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोगों के साथ-साथ राष्ट्रीय और राज्य सलाहकार परिषदों से सलाह लेकर कानून का पालन कराएं। कोर्ट ने आगे बाल आयोग को निर्देश दिया कि वह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा नियम और कानून जारी करने की जानकारी इकट्ठा करें और 31 मार्च तक कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल करें। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट की यह पीठ शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत प्रवेश पाने में ईडब्ल्यूएस श्रेणी के छात्रों के समक्ष आने वाली कठिनाइयों से संबंधित पहलुओं पर विचार कर रही है, जिसमें निजी गैर-सहायता प्राप्त गैर-अल्पसंख्यक स्कूलों में ऐसे बच्चों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य किया गया है। याचिका एक ऐसे व्यक्ति द्वारा दायर की गई है, जिनके बच्चों को 2016 में पड़ोस के एक स्कूल में मुफ्त और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा के लिए प्रवेश नहीं मिला था, जबकि सीटें उपलब्ध थीं। इसके बाद, उन्होंने मुंबई उच्च न्यायालय का रुख किया था। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।

पंजाब में अदालतों को फिर धमकी

लुधियाना। पंजाब के विभिन्न शहरों में कोर्ट परिसरों को बम से उड़ाने की धमकियों के बीच एक बार फिर लुधियाना कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यह धमकी सुबह ज्यूडिशियल की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर भेजी गई, जिससे पूरे प्रशासन में हड़कंप मच गया। धमकी भरे ईमेल की जानकारी तुरंत बार एसोसिएशन लुधियाना के प्रधान को दी गई। इसके बाद पुलिस के आला अधिकारियों को सूचित किया गया और सुरक्षा कारणों के चलते कोर्ट परिसर में नो वर्क डे घोषित कर दिया गया।

लावारिस मिठाई खाने से तीसरी मौत

छिंदवाड़ा। जुन्नारदेव में लावारिस मिठाई कांड में आज तीसरी मौत हो गई। 27 वर्षीय खुशबू का नागपुर में इलाज चल रहा था, जहां उसकी मौत हो गई। अब तक एक ही परिवार के दो लोगों की जान जा चुकी है। तीसरे की तबीयत बेहद नाजुक है। बीते दिनों पीएचई विभाग के पास एक होटल में अज्ञात बैग चौकीदार दशरू यदुवंशी को मिला था। इसमें एक मिठाई का डब्बा था जिसे वह घर ले गया। इसके बाद पूरे परिवार ने यह मिठाई खाई थी। परिवार के चारों सदस्यों की हालत बिगड़ी जिनमें से तीन की मौत हो चुकी है।

शादी के बाद प्रेमी के साथ गई बेटी की पिता ने गोली मारकर हत्या की

भिंड। एक पिता ने 21 साल की बेटी की गोली मारकर हत्या कर दी। कट्टे से उसके सीने में फायर किया। युवती की एक महीने पहले ही शादी हुई थी। इसके कुछ दिन बाद ही वह प्रेमी के साथ चली गई थी। इसी से नाराज होकर पिता ने बेटी को मौत के घाट उतार दिया। घटना मेहगांव थाना क्षेत्र के खिरिया थापक गांव की है। मंगलवार शाम को मुन्नेश धानुक ने बेटी निधि को गोली मार दी थी। युवती की मां ने पुलिस को इसकी सूचना दी। आज सुबह पुलिस ने एक खेत से शव बरामद किया। पुलिस ने आरोपी पिता मुन्नेश को हिरासत में ले लिया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने कहा- बदनामी हो रही थी, इसलिए मार दिया। जानकारी के मुताबिक, निधि की शादी 11 दिसंबर को ग्वालियर के गुड़ागुडी का नाका निवासी देवू धानुक से हुई थी। 28 दिसंबर को वह पति के साथ ग्वालियर के महाराज बाड़ा गई थी। यहां 5 हजार रुपए की शॉपिंग करने के बाद उसने पति से पानी मांगा। पति पानी लेने गया, तभी वह गायब हो गई।

'पीएम प्रगति' से राज्यों के विकास को गति: मोहन यादव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पूरे देश में सभी राज्यों के विकास के लिए समान रूप से कार्य कर रही है। इसके लिए प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग ग्रुप (PMG) और पीएम प्रगति उच्च स्तरीय शासन प्रणाली लागू की गई है। इसके माध्यम से बड़े प्रोजेक्ट और मुख्य योजनाओं की मॉनीटरिंग की जाती है। साथ ही नागरिकों की शिकायत का तत्काल निराकरण होता है।

डॉ. यादव ने यहां संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कहा कि राज्यों के बीच भले ही आपसी प्रतिस्पर्धा हो लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर विकास की दृष्टि से केंद्र सरकार सभी

फाइल

राज्यों का पूरा सहयोग कर रही है। केंद्र सरकार ने जो केंद्रीयकृत सिस्टम बनाया है उससे विकास की रफ्तार तेज हुई है। केंद्र के सहयोग से मध्यप्रदेश की योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इसकी वजह से हमारा प्रदेश ऊर्जा और परिवहन के क्षेत्र में प्रमुख रूप से उभरा है। इसमें सड़क, रेलवे और बिजली की परियोजनाएं मुख्य हैं। बालाघाट में वन भूमि के अधिग्रहण का 20 साल से अटका मामला स्वीकृत हुआ। इसी के साथ वन क्षेत्र में वृक्ष कटाई और रेल लाइन क्रांसिंग में आ रही बाधाएं दूर हुई। जबलपुर-गोंदिया गेज परिवर्तन और बालाघाट-कटंगी सेक्शन का परिवर्तन परियोजना यह सिद्ध करती है कि पीएम प्रगति के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार जटिल और बहुविभागीय अवरोधों वाली परियोजनाओं को भी समयबद्ध ढंग से पूरा कर सकती हैं। प्रधानमंत्री ने एक ऐसा मंच तैयार किया है जहां वे भारत सरकार के सचिव और राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ मिलकर योजनाओं की समीक्षा करते हैं।

रूस का यूक्रेन पर फिर बड़ा हमला

300 ड्रोन और 25 मिसाइलों से मचाई तबाही, चार लोगों की मौत

कीव, एजेंसी

रूस ने चार दिनों में यूक्रेन पर दूसरा बड़ा ड्रोन और मिसाइल हमला करके उसके बिजली ग्रिड को एक बार फिर निशाना बनाया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। युद्ध के चार साल पूरे होने वाले हैं और ऐसा लगता है कि अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों को रूस नजरअंदाज कर रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर बताया कि रूस ने रात भर में आठ क्षेत्रों पर लगभग 300 ड्रोन, 18 बैलिस्टिक मिसाइलों और सात क्रूज मिसाइलों से हमला किया। जेलेंस्की ने कहा कि पूर्वोत्तर खार्किव क्षेत्र में एक हमले में एक डाक डिपो में चार लोगों की मौत हो गई और कीव क्षेत्र में कई लाख घरों में बिजली गुल हो गई थी। चार दिन पहले रूस ने रात भर चले एक बड़े हमले में सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलों से हमला किया था। इसके अलावा रूस ने लंबे समय से जारी युद्ध में केवल दूसरी बार एक शक्तिशाली नई हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया, जिसने पश्चिमी यूक्रेन को निशाना बनाया। यह कीव के नाटो सहयोगियों को एक स्पष्ट चेतावनी प्रतीत होती है कि रूस पीछे नहीं हटेगा।

कर्नाटक का सीएम बदलने की अटकलें फिर शुरू

राहुल से मुलाकात के बाद शिवकुमार बोले - प्रार्थनाएं नाकाम नहीं होतीं

बेगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलें तेज हो गई हैं। हाल ही में सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से छोटी मुलाकात की थी। इसके बाद शिवकुमार ने लिखा कि प्रार्थनाएं नाकाम नहीं होतीं। राहुल के साथ दोनों नेताओं की मुलाकात ऐसे समय पर हुई है, जब राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच तनातनी की खबरें हैं। शिवकुमार ने कन्नड़ में पोस्ट किया है। हिंदी अनुवाद के अनुसार उन्होंने लिखा, 'भले ही कोशिश नाकाम हो जाए, लेकिन प्रार्थना नाकाम नहीं होती।' उनकी

इस पोस्ट को कथित सीएम रेस से जोड़कर देखा जा रहा है। पीटीआई भाषा की रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी सूत्र बताते हैं कि यह संक्षिप्त बातचीत उस समय हुई जब राहुल तमिलनाडु के नीलगिरी जिले के गुडालूर में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मंडकल्ली हवाई अड्डे पर संपर्क उड़ान के लिए उतरे।

सरकार ने तैयार किया रोडमैप

वामपंथी उग्रवाद खत्म होने के बाद अगला टारगेट होंगे अर्बन नक्सल

नईदिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने 31 मार्च, 2026 तक भारत को 'नक्सल-मुक्त' बनाने का टारगेट तय कर रखा है, जो समय पर पूरा होने का भरोसा है। केंद्र सरकार ने देश से वामपंथी उग्रवाद के सफाए के बाद की योजना पर भी काम शुरू कर दिया है। इसके लिए 10 सूत्री रोड मैप तैयार किया गया है, ताकि जो इलाके नक्सलियों और माओवादियों से आजाद कराए गए हैं, उनपर वे दोबारा कब्जा न कर सकें। इस रोड मैप में अर्बन नक्सलियों का पूरी से सफाया भी एक बहुत बड़ा एजेंडा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जब सरकार भारत के नक्सल मुक्त होने की घोषणा कर देगी, उसके बाद की स्थिति के लिए उन क्षेत्रों के विकास के लिए कई तरह की योजनाओं पर एक साथ अमल शुरू किया जा रहा है। इसके तहत जो भी सरकारी योजनाएं वहां नहीं पहुंच पाई हैं या आधी-अधूरी हैं, उनपर पूर्ण रूप से अमल पर जोर दिया जा रहा है। इनमें से ज्यादातर मुद्दे इन पिछड़े क्षेत्र के विकास, शिक्षा, आजीविका और गवर्नेंस के मसलों से जुड़े हैं, लेकिन सबसे अहम उन अर्बन नकस्लियों पर नकेल कसना है, जिन्हें देश में नक्सली समस्या का बहुत बड़ा कारण माना जा रहा है।

समय पर नहीं पहुंच रही मदद... मरीजों की जान पर संकट

एमपी की 'लाइफलाइन' 108 एंबुलेंस हुई बीमार, गैरेजों में खड़ी फांक रही धूल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश की लाइफलाइन कही जाने वाली 108 एंबुलेंस सेवा इन दिनों गंभीर संकट से गुजर रही है। मरीजों की जान बचाने के लिए चौबीसों घंटे तैनात रहने वाली एंबुलेंस अब शहरों के गली-मोहल्लों में स्थित छोटे-मोटे गैरेजों में खड़ी नजर आ रही हैं। तकनीकी खराबियों के कारण बड़ी संख्या में वाहन सेवा से बाहर हो चुके हैं।

राजधानी भोपाल सहित पूरे प्रदेश में कई एंबुलेंस लंबे समय से खराब पड़ी हैं। वेंडरों और सर्विस सेंटरों का करोड़ों रुपये का भुगतान महीनों से लंबित है। इसी कारण उन्होंने गाड़ियों की मरम्मत करने से हाथ खींच लिए हैं। गैरेज संचालकों का कहना है कि जब तक पुराने बिलों का भुगतान नहीं होता, वे नई गाड़ियों पर काम नहीं करेंगे। भुगतान अटकने के चलते जीवनरक्षक वाहन कबाड़ में तब्दील होते जा रहे हैं।

मरीजों पर सीधा असर, बढ़ता इंतजार

इस अव्यवस्था का सबसे ज्यादा असर आम जनता पर पड़ रहा है। हार्ट अटैक, सड़क दुर्घटना या अन्य गंभीर आपात स्थितियों में जब परिजन 108 पर कॉल करते हैं, तो अक्सर जवाब मिलता है कि एंबुलेंस उपलब्ध

नहीं है या पहुंचने में काफी समय लगेगा। बड़ी संख्या में वाहन मेंटेनेंस के अभाव में खड़े होने से फील्ड में एंबुलेंस की भारी कमी हो गई है।

दूर-दराज के इलाकों में हालात बदतर

ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्थिति और भी चिंताजनक है। कई जगह मरीजों को निजी वाहनों से अस्पताल ले जाना पड़ रहा है, जबकि कुछ मामलों में इलाज में देरी के कारण जान तक चली जा रही है। गैरेज संचालकों और स्पेयर पार्ट्स सप्लायरों का कहना है कि वे काम

खुद का मेंटेनेंस सेंटर, फिर बाहर क्यों मरम्मत

जांच में सामने आया है कि एंबुलेंस संचालन करने वाली एजेंसी के पास अपना आधुनिक और सुविधायुक्त मेंटेनेंस सेंटर मौजूद है, जहां सभी गाड़ियों की मरम्मत संभव है। इसके बावजूद एंबुलेंस को बाहर के निजी मैकेनिक और छोटे गैरेजों में भेजा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक इसके पीछे कमीशनखोरी और भुगतान को उलझाने की रणनीति भी बताई जा रही है। बाहर मरम्मत कराने से न तो गुणवत्ता की निगरानी हो पा रही है और न ही बिलों में पारदर्शिता बनी रहती है।

करने को तैयार हैं, लेकिन कंपनी द्वारा बिल पास नहीं किए जा रहे। छोटे दुकानदारों के लिए लाखों रुपये का बकाया लंबे समय तक सहन करना संभव नहीं है। वहीं अधिकारी का कहना है कि किसी का पैमेंट रुका है तो उसको पूरा किया जाएगा। वैसे 108 का खुद का यार्ड है, लेकिन कभी-कभी वाहनों को बाहर भी सुधरवाना पड़ता है।

लघुकथा शोध केंद्र समिति के पुस्तक पखवाड़े का बारहवां सत्र

साहित्य सृजन साहित्यकार के जीवन के अनुभव का सार है -डॉ. वीणा सिन्हा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

साहित्य सृजन साहित्यकार के जीवन के अनुभवों का सार है। एक लेखक किन परिस्थितियों में किस समय लिख रहा है इसका प्रभाव भी उसके सृजन पर पड़ता है। यह उदगार वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. वीणा सिन्हा ने व्यक्त किये। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति द्वारा आयोजित पुस्तक पखवाड़े के बारहवे सत्र की अध्यक्षता करते हुए बोल रही थीं। इस सत्र का संचालन केंद्र के सचिव घनश्याम मैथिल अमृत और चित्रा राणा राघव ने किया। इस ऑनलाइन मीट में सुपरिचित कथाकार उर्मिला शिरीष के उपन्यास 'चाँद गवाह स्त्री प्रेम और पर्याय की गवाह ' पर विमर्श हुआ। समीक्षक सुषमा मुनीन्द्र ने कहा की पितृ सत्तात्मक समाज में स्त्री संघर्ष, पर्यावरण और प्रकृति प्रेम की यह साहसिक कृति है। इसके साथ ही दूसरी कृति जिसपर विमर्श हुआ वह थीं उर्मिला शिरीष सृजनात्मकता का आत्मिक उल्लास। इसके संपादक हैं हीरालाल नागर। इस पर बात करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार गोकुल सोनी ने कहा की -स्त्री चेतना का जीवंत आख्यान है। उर्मिला जी के सृजन की दिशा दशा और कथा साहित्य में उनके महती योगदान ने प्रत्येक आयाम को स्पर्श किया है। चर्चा में

तीसरी कृति जिस पर विमर्श हुआ वह थीं 'राग विराग' हायकु संग्रह जिसके लेखक लेखक मुंबई के डॉ. रमेश यादव हैं। इस कृति पर समीक्षक डॉ. ममता माली ने कहा कि लघुता में प्रभुता लिए गहन भाव बोध की विधा है हायकु। इनमें प्रकृति प्रेम, जीवन दर्शन,मौन, संयम आदि को सांकेतिकता में प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया गया है। कार्यक्रम के अंत में लेखक उर्मिला शिरीष, डॉ. विभा कुमारी, हीरालाल नागर, डॉ. रमेश यादव ने अपना लेखकीय वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए आभार प्रकट किया। आयोजन में देश विदेश के अनेक पुस्तक प्रेमी पाठक, लेखक उपस्थित थे।

यूनियन कार्बाइड का जहरीला पानी पीने को मजबूर लोग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्वच्छ जल अभियान के अंतर्गत शहर के सभी वार्ड कार्यालयों में मंगलवार को जल सुनवाई हुई। इस पहल के माध्यम से अब आम जनता को पानी से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए मुख्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे, बल्कि उनके वार्ड स्तर पर ही समस्या का निराकरण किया जाएगा। इस विशेष जल सुनवाई में बड़ी संख्या में जागरूक नागरिक पहुंचे। अभियान की खास बात यह है कि नगर निगम के अफसर न केवल रहवासियों की शिकायतें सुन रहे हैं, बल्कि पेयजल की शुद्धता जांचने के लिए मुफ्त जल परीक्षण की सुविधा भी दे रहा है। पहले ही दिन विभिन्न वार्डों से नागरिकों द्वारा 49 जल के नमूने संग्रहण हेतु दिए गए। प्राथमिक जांच और विभिन्न मानकों पर परीक्षण के बाद ये सभी नमूने सुरक्षित और मानकों के अनुरूप पाए गए हैं। नागरिकों द्वारा दिए गए सैंपल्स की जांच 15 से अधिक मानकों पर की जा रही है।

भोज मुक्त विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम

'रन फॉर स्वदेशी' दौड़ नहीं बल्कि भारत निर्माण का जन आंदोलन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोज मुक्त विश्विद्यालय में स्वामी विवेकानंद की जयंती विद्यार्थियों के लिए रन फॉ स्वदेशी विषय पर कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति एवम् विधार्थी सहायता विभाग के निदेशक डॉ. रतन सूर्यवंशी ने की। कुलसचिव एवम् कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुशील मंडेरिया, मुद्रण वितरण विभाग एवम् आंतरिक गुणवत्ता आश्वसंन केंद्र की निदेशक डॉ. विभा मिश्रा एवम् भोपाल क्षेत्रीय केंद्र निदेशक डॉ. हर्षवर्धन तोमर उपस्थित रहे। रन फॉर स्वदेशी केवल एक दौड़ नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत और पूर्ण रोजगार युक्त भारत निर्माण का जन आंदोलन है इसका उद्देश्य युवाओं को स्वदेशी मूल्य उद्यमिता कौशल विकास शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य अनुशासन तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित करना है। यह कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद जी के उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत के संदेश को व्यवहार में उतारने का सशक्त माध्यम बन रहा है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि, स्वामी विवेकानंद सदैव से ही स्वदेशी प्रेमी रहे हैं। उन्होंने अपने जीवन का लक्ष्य भले ही समय पूर्व पूर्ण कर लिया हो और छोटी सी आयु मे देह त्याग दिया हो परंतु वे आज भी हमारे बीच हमारे विचारों मे जीवित हैं। उनका स्वदेशी प्रेम सिर्फ भारत तक ही नहीं वरन् विदेश के इतिहास में भी स्थापित है। उनके इसी भारतीय स्वदेशीय प्रेम को हमे निरंतर जीवित रखना होगा और स्वदेशी पहनावे के साथ साथ स्वदेशी विचारों को भी अपनाना होगा। विवि के प्रभारी कुलपति एवम् विधार्थी सहायता विभाग के निदेशक डॉ. रतन सूर्यवंशी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, इरादे मजबूत हों और हौंसले बुलंद हो तो हमारा देश जल्द ही इंडिया से हमारा भारत कहलाएगा।

मकर संक्रांति: दो दिन मनेगा पर्व, घरों और बाजार में दिखा उत्साह

देशभक्ति थीम वाली पतंगें युवाओं की खास पसंद बनीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मकर संक्रांति की तिथि को लेकर लोगों के मन में काफी ज्यादा कंफ्यूजन बना हुआ है, कुछ लोगों का मानना है कि मकर संक्रांति आज मनाई जाएगी तो कुछ का मानना है कि कल शुभ दिन रहेगा. लेकिन इससे उत्सव का उत्साह कम नहीं हुआ है। वहीं इस दिन दान और स्नान का विशेष महत्व होता है। संक्रांति पर तिल-गुड़ खाने की परंपरा सालों पुरानी है। तिल को दारिद्रय नाशक और गुड़ को स्वास्थयवर्धन कहा गया है। मकर संक्रांति पर ठंड रहती है, ऐसे में तिल-गुड़ का सेवन करने से शरीर में स्फूर्ति आती है। आरोग्य मिलता है।

इसी के साथ मकर संक्रांति पर पतंगबाजी करने की पुरानी परंपरा है। त्योहार के पहले शहर पतंगों की दुकानों से पूरी तरह रंगीन हो उठा है। शहर की पतंग गलियों में बुधवार की सुबह से ही भीड़ बढ़ने लगी है। दुकानों पर ऑपरेशन सिंदूर, मोदी, हिंदुस्तान, तिरंगा, चील कट और

कार्टून जैसी डिजाइनों वाली पतंगों की धूम है। वहीं दुकानदारों ने बताया कि इस बार बच्चे और युवा देशभक्ति थीम वाली पतंगों को खास पसंद कर रहे हैं। बाजारों में इस बार 10 से 100 रुपये तक में प्लास्टिक और कागज से बनी पतंगे उपलब्ध हैं। इनका मूल्य पतंग पर बनी डिजाइन और क्वालिटी के अनुसार कम ज्यादा है। इस बार कई तरह की पतंगे आई हैं लेकिन सबसे ज्यादा मांग ऑपरेशन सिंदूर, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह, तिरंगा, हिंदुस्तान लिखी पतंग और मोदी के चित्रों वाली पतंग की बिक्री ज्यादा है। वहीं छोटे बच्चे कार्टून के चित्रों वाली पतंग खरीदकर भी ले जा रहे हैं। वहीं पैराशूट मॉडल की पतंग भी कई युवा बच्चे खरीद रहे हैं, जो कि साधारण पतंगों से अलग है। ये पतंग आकर में काफी लंबी-चौड़ी होती है। इसमें कन्ना नहीं बांधा जाता बल्कि धागे का एक छोर ही सेंटर में बांधा जाता है। बैलेंस बनाने के लिए पतंग के ऊपरी सतह पर एक छोर से दूसरे छोर पर एक लंबी सीक फंसाई जाती है। जिससे दोनों छोर खुले रहें। दुकानदारों ने बताया कि चाइनीज मांझा नायलॉन या सिंथेटिक धागे पर कांच और मेटल पाउडर की कोटिंग से तैयार किया जाता है। इसमें एल्युमिनियम ऑक्साइड और लेड मिलाकर कांच या लोहे के चूरे से धार दी जाती है। शरीर के संपर्क में आते ही गहरी चोट लग सकती है। इसलिये हम इसे नहीं बेच रहे। फिलहाल कानपुर और बरेली से मांझा खरीदकर लाते हैं और उन्हे ही बेचते हैं। वहीं मानव संग्रहालय में आसमान को रंगीन पतंगों से भरने की तैयारी है। मंडपम परिसर में पतंग उत्सव पतंग के रंग मानव संग्रहालय के संग नाम से भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसमें शहर भर के बच्चे युवा और परिवार शामिल होने वाले हैं. यह आयोजन न सिर्फ मकर संक्रांति बल्कि देश में मनाए जाने वाले पोंगल, माघ, बिहू, पौष, परबोन और उत्तरायण जैसे पर्वों में झलकती एकता और लोक परंपराओं को भी मंच दिया।

लोग बोले-बिजली नहीं होने से बच्चे पढ़ाई नहीं कर पा रहे

गुनगा बिजली ऑफिस का घेराव, किया प्रदर्शन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के गुनगा स्थित बिजली ऑफिस का कई गांव के लोगों ने घेराव कर दिया। वे गुनगा समेत करीब 25 गांवों में बिजली कनेक्शन काटे जाने से नाराज थे। उनका कहना था कि बिजली नहीं होने से बच्चे पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं, जबकि बोर्ड परीक्षाएं सिर पर है। कांग्रेस नेताओं ने अफसरों को जमीन पर बैठाकर जमकर खरी-खोटी भी सुनाई। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हर्राखेड़ा के बैनरतले ग्रामीणों ने यह प्रदर्शन किया। उन्होंने गुनगा में रैली निकाली और फिर बिजली कंपनी के ऑफिस पहुंचे। दफ्तर का घेराव करते हुए लोगों ने जमकर नारेबाजी भी की। मप्र कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अवनीश भार्गव ने बताया कि गुनगा से जुड़े करीब 25 गांवों की बिजली कंपनी ने बिजली काट दी। इसकी वजह राशि बकाया होना बताया गया, लेकिन इस बारे में ग्रामीणों को कोई जानकारी नहीं दी गई। कई जगह ट्रांसफार्मर भी जले हुए हैं। गुनगा क्षेत्र की करीब डेढ़ लाख आबादी बिना बिजली के रह रही है। झोपड़ियों के भी 20 से 30 हजार रुपए तक के बिल दिए गए हैं। इस कारण बड़ा प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष भार्गव, जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष अनोखी मान सिंह पटेल समेत कई लोगों ने भारी भरकम बिलों को लेकर भी नाराजगी जाहिर की। कहा कि मजदूरी करने वालों को बड़ी राशि के बिल थमाए जा रहे हैं, जो गलत है। दूसरी ओर, वसूली के लिए भी कोई नहीं जा रहा। इसलिए प्रदर्शन करके विरोध जताया गया। यह प्रदर्शन तीन घंटे तक चला।

गांधी मेडिकल कॉलेज में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम

चिकित्सा शिक्षा सिर्फ पुस्तक तक सीमित नहीं, बल्कि ये अनुशासन की प्रक्रिया है

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने शैक्षणिक उपलब्धियों और कॉलेज गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। समारोह में निदेशक चिकित्सा शिक्षा मुख्य अतिथि डॉ. अरुणा कुमार ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा शिक्षा केवल पुस्तक तक सीमित नहीं है बल्कि यह सेवा भाव, अनुशासन और निरंतर सीखने की प्रक्रिया है। उन्होंने अपने छात्र जीवन के अनुभव सुनाए और विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने की प्रेरणा

दी। कार्यक्रम के दौरान 2020-2023 बैच तक के लगभग 300 छात्रों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर पदक और योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इनमें 2020 बैच की उर्वी अग्रवाल सबसे अधिक चर्चा में रहीं। उन्हें ऑल राउंडर अवार्ड के साथ यूनिवर्सिटी टॉपर सम्मान और प्रत्येक विषय में श्रेष्ठता के लिए डिस्टिंक्शन मेडल प्रदान किए गया। इसी तरह 2021 बैच से नंदिनी रेनवाल, 2022 बैच से कुहू कोठारी और 2023 बैच से ऋषिका शर्मा को बैच टॉपर घोषित किया।

अब मेडिकल डिवाइस से मॉनिटरिंग होगी, हर महीने देनी होगी रिपोर्ट

पता करेंगे मरीजों को उपकरणों का फायदा मिल रहा या नहीं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने विभागीय समीक्षा बैठक की है। जहां स्वास्थ्य सेवाओं, मानव संसाधन, नर्सिंग शिक्षा, मेडिकल कॉलेजों, ब्लड ट्रांसफ्यूजन सिस्टम और अधोसंरचना विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। डिप्टी सीएम ने उपकरणों की उपलब्धता के साथ उनके उपयोग की मॉनिटरिंग पर विशेष जोर दिया।

डिप्टी सीएम ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों में मेडिकल डिवाइस का मरीजों तक लाभ पहुंच रहा है या नहीं, इसकी हर माह रिपोर्ट तैयार करें। अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किस डिवाइस का कितने मरीजों को फायदा मिला, इसका पूरा ब्योरा लेकर अगली बैठक में आएं। जहां उपकरण की कमी है, यह जानकारी भी एकत्र करें। इसके अलावा मेडिकल टीचर्स के वेतन, भर्ती प्रक्रियाएं, एनएटी सुविधा, ई-अटेंडेंस सिस्टम और आउटसोर्स कर्मियों से जुड़े सुधारों पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

रिक्त पदों पर होगी भर्ती

स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, अस्पतालों की क्षमताओं और मैदानी स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता पर विस्तृत समीक्षा की गई। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने ब्यौहारी, बुढ़ार और उमरिया क्षेत्र में स्त्री रोग विशेषज्ञ के रिक्त पदों की शीघ्र भर्ती के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुपलब्धता से आम लोगों को इलाज के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है, ऐसे में इन पदों की समयबद्ध पूर्ति जरूरी है।

नर्सिंग शिक्षा को मिलेगी मजबूती

नर्सिंग कॉलेजों में शिक्षण गुणवत्ता बढ़ाने के लिए नर्सिंग टीचर्स के 59 राजपत्रित पदों की मांग को जल्द लोक सेवा आयोग को भेजने के निर्देश दिए गए। साथ ही सिंगरौली नर्सिंग कॉलेज के लिए भूमि चिह्नांकन और निविदा प्रक्रिया की समयबद्ध पूर्ति पर जोर दिया गया।

उपकरणों की उपयोग पर सख्त नजर

बैठक में उपकरणों की उपलब्धता के साथ उनके उपयोग की वास्तविक मॉनिटरिंग पर जोर दिया है। कई जगह उपकरण वर्षों से उपलब्ध हैं, लेकिन उपयोग नहीं हो पा रहा है। शुक्ल ने कहा कि मशीनें तभी उपयोगी साबित होंगी जब उनका उपयोग लगातार और जरूरत के समय हो, इसलिए उपकरणों की 'रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम' विकसित करें। डिप्टी सीएम शुक्ल ने कहा कि मशीनें तभी उपयोगी साबित होंगी जब उनका उपयोग लगातार और जरूरत के समय हो।

मेडिकल कॉलेजों में सुधार की तैयारियां: मेडिकल टीचर्स के वेतन एवं भत्तों को लेकर समीक्षा की गई। नए मेडिकल कॉलेजों में ट्यूटर व डिमॉन्स्ट्रेटर के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती का निर्देश भी दिया। ग्वालियर मेडिकल कॉलेज में सीटीवीएस विभाग स्थापित करने की प्रक्रिया भी शुरू करने का निर्देश दिया गया, जिससे प्रदेश में कार्डियक सर्जरी की सेवाएं बेहतर हो सकें।

मेट्रो एंकर

लिटिल बैले ट्रूप के रागबन्ध सभागार में नाटक का मंचन

समाज की दरारें, कोर्ट रूम व घरों तक के सच को दिखाया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लिटिल बैले ट्रूप के रागबन्ध सभागार में रंगमंच का कैनवास पांच रंगों में रंगा नजर आया। नाटक की पहली कहानी एकांत में उजाड़ सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव और मानवीय दूरी की कराह बनकर सामने आई। रिश्तों की नमी सूखने, संवेदनाओं के खत्म होने और सिर्फ लाइक कमेंट में सिमटते जीवन पर यह प्रस्तुति ने दर्शकों को लंबे समय तक सोचने पर मजबूर किया। वहीं खुली दराज और बिखरी खुशबुए दूसरी कहानी में राहुल की मूक पीड़ा केंद्र में थी। प्यार और भरोसे के भ्रम के बीच कैरियर की प्रतिस्पर्धा में भावनाओं के टूटने और इस्तेमाल हो जाने का दर्द अभिनेताओं ने बेहद संवेदनशीलता से उकेरा। तीसरी कहानी में

ग्रीन बेल्ट में एक ईमानदार पत्रकार की कलम सत्ता की चालों में कैसे मोहरा बनती है यह कहानी पत्रकारिता की असल चुनौती को सामने लाती रही। चौथी कहानी में बाजारवाद की मार और मिठाई की दुकान के बंद होने के साथ भावनाओं की मिठास भी गायब होती दिखी। तो पांचवी कहानी ने दर्शकों पर सबसे गहरा वार किया। एक गरीब मजदूर को बलि का बकरा बनाकर नेताओं और अधिकारियों द्वारा असली दोषियों के बच निकलने की आधुनिक सच्चाई ने सभागार को पल भर के लिए स्तब्ध कर दिया। हम थिएटर ग्रुप ने बालेन्द्र सिंह के निर्देशन में चर्चित लेखक संजय जैन की पांच कहानियों को एक कोलाज के रूप में मंच पर उतारा। यह प्रस्तुति केवल नाटक नहीं बल्कि एक दर्पण की तरह रही। जो समाज की दरारें, कोर्ट रूम, मीडिया, ऑफिस और घरों तक फैले सच को दिखाती चली जाती है। नाटक में अजय श्रीवास्तव, राजीव यादव, निधि दीवान,मुकेश पाचौड़े और निर्मल तिवारी ने मंच पर अपने-अपने किरदारों में एक कोशिश नहीं छोड़ी।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने वीर भारत न्यास द्वारा आयोजित अभ्युदय मध्यप्रदेश प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

सरकार ने कर्मचारी संगठनों से लिए सुझाव

कर्मचारियों के लिए कैशलेस हेल्थ स्कीम लाने की तैयारी चार स्लैब में काटे जाएंगे पैसे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार जल्द ही कर्मचारियों के लिए कैशलेस हेल्थ स्कीम लाने की तैयारी में है। इसको लेकर सामान्य प्रशासन विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अफसरों की टीम ने सुझाव लेने का काम शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री कर्मचारी एवं पेंशनर्स व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना के नाम से योजना तैयार की जा रही है। जिसे लेकर कर्मचारी संगठनों के साथ बैठक कर सुझाव लिए हैं। एक वॉट्सऐप नंबर जारी कर भी सुझाव मांगे हैं। इसके अलावा, पावर पाइंट प्रजेंटेशन देकर प्रस्तावों की जानकारी दी गई है। जिसमें बताया है कि प्रदेश और राज्य के बाहर के अस्पताल चिह्नित भी किए जा रहे हैं।

योजना में 4 स्लैब में पैसे 250, 500,750,1000 कटेंगे। दरअसल, कमलनाथ सरकार के समय में भी ड्राफ्ट तैयार किया था लेकिन तब इसे लागू नहीं किया जा सका था। ड्राफ्ट तैयार हुआ तब वर्तमान मुख्य सचिव अनुराग जैन एसीएस फाइनेंस के पद पर थे। जिसमें जैन की सक्रिय भूमिका थी। अब एक बार फिर इसको लेकर कवायद शुरू हुई है।

सभी कर्मचारी संगठनों से मांगे सुझाव– बैठक में अपर सचिव जीएडी दिनेश कुमार मौर्य, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी थे। मंत्रालय कर्मचारी अधिकारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक भी इस बैठक में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और पेंशनरों को कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने के लिए सुझाव देने को कहा है। कर्मचारी संगठनों से कहा है कि सभी संगठनों के सुझाव आने के बाद ड्राफ्ट को फाइनल किया जाएगा।

कर्मचारी-पेंशनर्स को दिए जाएंगे ये लाभ

- प्रदेश और बाहर के चिह्नित अस्पतालों में मुफ्त इलाज मिलेगा।
- सामान्य बीमारियों के लिए 5 लाख और गंभीर के लिए 10 लाख तक का इलाज होगा।
- हर साल 10,000 रुपए तक की ओपीडी और दवाइयों का कवर भी शामिल होगा।
- कर्मचारियों के वेतन, पेंशन से ?250 से ?1000 तक मासिक कटेंगे, बाकी सरकार देगी।
- योजना में सभी राज्य कर्मचारी, पेंशनभोगी और उनके परिवार पात्र होंगे।

कांग्रेस विधायक बरैया के बोल

एससी-एसीटी विधायकों की स्थिति है कुत्ते जैसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के भांडेर से कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया ने अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के विधायक-सांसदों की तुलना कुत्ते से की है। उन्होंने कहा- बाबा साहब ने कहा था कि जॉइंट इलेक्टोरल में प्रवेश करने के बाद हमारे प्रतिनिधि कैसे हो जाएंगे...जैसे कुत्ते के मुंह पर बंधी पटटी। काटने की बात छोड़िए, वो कुत्ता भौंक भी नहीं पाएगा।

बरैया ने कहा- हम कोशिश करें कि हमारा आदिवासी हिंदू न बन पाए। अगर आदिवासी सरना वनों का धर्म बन जाए तो आदिवासी की भी मुक्ति का मार्ग निकल सकता है। बरैया ने ये बातें भोपाल के समन्वय भवन में कांग्रेस की डिक्लेरेशन-2 की ड्राफ्टिंग कमेटी की बैठक में कहीं। मंच पर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, पूर्व सांसद उदित राज, झारखंड कांग्रेस के प्रभारी और रिटायर्ड आईएएस अफसर के. राजू, आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया, विधायक ओंकार सिंह मरकाम, विधायक डॉ. हीरालाल अलावा मौजूद थे।

विधायक फूल सिंह बरैया ने कहा- 2002 में भोपाल डिक्लेरेशन-1 आया था। अब डिक्लेरेशन-2 आने वाला है। हो सकता है कि ये भी आगे आने वाले समय में हमारी समस्याओं का समाधान न कर पाए। इसकी तह में जाना होगा कि समस्या कहां पर है। मेरा ऐसा मानना है कि समस्या का समाधान बाबा साहब अंबेडकर के पास है। 25 नवंबर 1949 को बाबा साहब ने संविधान सभा में कहा था कि मेरी दो चिंताएं हैं। एक तो यह कि संविधान में यह व्यवस्था है कि देश ऊपर जाएगा, या जाति और धर्म ऊपर जाएगा अगर देश ऊपर रहता है तो सारी समस्याओं का हल निकाल लिया जाएगा। लेकिन, देश के ऊपर जाति और धर्म चला गया तो किसी भी समस्या का समाधान मिलने वाला नहीं है।

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन में एमपी देश में सबसे आगे

8.38 लाख युवा ले रहे रिसर्च पेपर और अकादमिक जर्नल्स का फायदा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश ने वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन में देश के सभी राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। यह पोर्टल युवाओं को रिसर्च पेपर और एकेडमिक जर्नल्स पढ़ने की आसान सुविधा देता है। इस पोर्टल से छात्र फ्री में जर्नल्स और रिसर्च पेपर पढ़ सकते हैं। यह उन्हें रिसर्च और अन्य अकादमिक कामों में मदद करता है।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए ONOS पोर्टल पर पंजीयन कराने में मध्यप्रदेश सबसे आगे है। प्रदेश के 617 उच्च शिक्षण संस्थानों ने अब तक पंजीयन कराया है। दूसरे नंबर पर कर्नाटक है, जहां 480 संस्थानों ने पंजीयन कराया है।

अलग-अलग चरणों में हुई योजना की प्रक्रिया– योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए प्रदेश में प्रथम चरण में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया। दूसरे चरण में हर उच्चतर शिक्षण संस्थान में संस्था-वार नोडल अधिकारी तय किए गए। तीसरे चरण में संस्था के नोडल अधिकारी द्वारा प्राध्यापकों और विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन कर उनके लिए आईडी और पासवर्ड जनरेट किए गए। इसके बाद यूजर्स को आईडी और पासवर्ड के माध्यम से ONOS पोर्टल पर लॉगिन करना होता है। लॉगिन करने के बाद यूजर पोर्टल पर उपलब्ध शोध पत्रों और पुस्तकों को निःशुल्क पढ़ सकते हैं।

एक ही जगह पर उपलब्ध प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाएं

विद्यार्थियों, शोधार्थियों और प्राध्यापकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाएं और पुस्तकें एक ही जगह पर उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई ONOS योजना में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 30 प्रमुख प्रकाशनों के शोध पत्र और पुस्तकें पोर्टल पर आसानी से उपलब्ध कराई जा रही हैं। पोर्टल पर डिजिटल शिक्षा का उपयोग करने के मामले में मध्यप्रदेश देशभर में सबसे आगे है। वर्तमान में देशभर में 98,44,813 विद्यार्थियों, शोधार्थियों और प्राध्यापकों द्वारा इसका उपयोग किया जा रहा है।

प्रदेश के 617 शिक्षण संस्थान करा चुके हैं पंजीयन

अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग अनुपम राजन ने बताया कि पोर्टल पर पंजीयन कराने के मामले में मध्यप्रदेश देशभर में सबसे आगे है। प्रदेश के 617 उच्च शिक्षण संस्थान अब तक पंजीयन करा चुके हैं। 8,38,166 से अधिक विद्यार्थी और शोधार्थी पोर्टल का उपयोग कर रहे हैं। इस मामले में मध्यप्रदेश पूरे देश में प्रथम स्थान पर है।

पोर्टल में पंजीयन कराने वाले टॉप 5 प्रदेश

मध्यप्रदेश 8 लाख 38 हजार 166
कर्नाटक 3 लाख 54 हजार 310
राजस्थान 6 लाख 97 हजार 323
असम 4 लाख 26 हजार 155
छत्तीसगढ़ 2 लाख 91 हजार 409

खाद्य सुरक्षा अधिकारी 2025 का रिजल्ट हफ्ते भर में होगा जारी

इंदौर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी 2025 की लिखित परीक्षा की अंतिम उत्तरकुंजी जारी कर दी। साथ ही अभ्यर्थियों की कापियों का मूल्यांकन शुरू कर दिया है। अगले सात से आठ दिनों के भीतर रिजल्ट घोषित किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक परीक्षा परिणाम के बाद चयन की अगली प्रक्रिया की जाएगी। जल्द ही इंटरव्यू का शेड्यूल और तारीख तय की जाएगी।

67 पदों को भरने के लिए आयोग ने 14 दिसंबर को खाद्य सुरक्षा अधिकारी 2025 की परीक्षा रखी। 42 हजार 592 पंजीयन हुए थे, लेकिन 25 हजार 130 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। पेपर को दो खंडों में बांटा गया था, जिसमें सामान्य अध्ययन और विषय आधारित शामिल थे। 400 अंक के 150 प्रश्नों के जवाब उम्मीदवारों को देना थे। प्रावधिक उत्तरकुंजी जारी करने के बाद आयोग ने आपत्तियां बुलवाई थी। इनका दस दिनों में निराकरण किया गया और 12 जनवरी को चार सेट की अंतिम उत्तरकुंजी अपलोड कर दी। अब इसके आधार पर अभ्यर्थियों की उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया जाएगा। यह काम बीस जनवरी तक पूरा करना है। फिर आयोग परीक्षा का परिणाम घोषित करेंगा। अधिकारियों के मुताबिक चयनित अभ्यर्थियों को साक्षात्कार की प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। वे कहते है कि फरवरी में साक्षात्कार की तारीख तय की जाएगी।

बांधवगढ़ में बाघों पर संकट,

एक साल में छह ने गंवाई जान संरक्षण पर उठ खड़े हुए सवाल

उमरिया, दोपहर मेट्रो

देश-विदेश में बाघों के लिए मशहूर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बीते एक साल के दौरान बाघों की लगातार हो रही मौतों ने वन्यजीव संरक्षण को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक यहां बाघ देखने आते हैं, ऐसे में बाघों की मौत के ये मामले गंभीर सवाल खड़े करते हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के उपक्षेत्रीय संचालक प्रकाश कुमार वर्मा ने उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर बताया कि वर्ष 2025 में अलग-अलग कारणों से कुल छह बाघों की मौत दर्ज की गई है। इनमें सबसे ज्यादा मौतें आपसी संघर्ष के कारण हुई हैं। जानकारी के मुताबिक, 8 जनवरी 2025 को करीब 2 साल की एक मादा बाघ की मौत आपसी संघर्ष में हुई। इसके बाद 6 फरवरी 2025 को एक बाघ की मौत विद्युत करंट की चपेट में आने से हो गई। यह घटना वन क्षेत्र के आसपास मानव गतिविधियों और अवैध बिजली तारों की ओर इशारा करती है।

23 फरवरी 2025 को लगभग 8 से 10 माह के एक बाघ शावक की मौत दर्ज की गई, जिसका कारण भी आपसी संघर्ष बताया गया। इसके बाद 19 सितंबर 2025 को 1 साल की एक मादा बाघ की मौत भी संघर्ष के चलते हुई। वहीं 3 अक्टूबर 2025 को एक बाघ मृत अवस्था में पाया गया, लेकिन इस मामले में मौत का कारण साफ नहीं हो सका और इसे अज्ञात कारण की श्रेणी में रखा गया। इसके अलावा 21 नवंबर 2025 को 1 साल के एक नर बाघ की मौत इंफेक्शन के कारण होने की पुष्टि हुई।

बाघों की सुरक्षा विभाग की प्राथमिकता : वर्मा

उपक्षेत्रीय संचालक प्रकाश कुमार वर्मा ने कहा कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों की सुरक्षा विभाग की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि आपसी संघर्ष प्रकृति की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन करंट और इंफेक्शन से होने वाली मौतों को लेकर विभाग पूरी तरह गंभीर है। इसके लिए निगरानी, नियमित गश्त और बाघों के स्वास्थ्य परीक्षण को और मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि वन क्षेत्र के आसपास रहने वाले ग्रामीणों को लगातार जागरूक किया जा रहा है, ताकि अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। साथ ही बाघों की सेहत और उनके मूवमेंट पर नजर रखने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है। यहां बाघों की सुरक्षा न सिर्फ जैव विविधता के लिए जरूरी है, बल्कि पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए भी बेहद अहम मानी जाती है।

प्राइवेट स्कूलों की मान्यता व नवीनीकरण के लिए आवेदन की अंतिम तिथि अब 20 जनवरी

भोपाल। राज्य शिक्षा केन्द्र, ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत संचालित प्राइवेट स्कूलों की मान्यता एवं मान्यता नवीनीकरण के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए सभी अशासकीय विद्यालयों को अनिवार्य रूप से ऑनलाइन माध्यम से मान्यता नवीनीकरण अथवा नवीन मान्यता के लिए आवेदन करना होगा। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा जारी आदेश के अनुसार पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2025 निर्धारित की गई थी, किन्तु तकनीकी एवं व्यावहारिक समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए इसे बढ़ाकर अब 20 जनवरी 2026 कर दिया गया है। राज्य शिक्षा केन्द्र ने स्पष्ट किया है कि शिक्षा का अधिकार नियम 11 के उपनियम 4(ग) के तहत यदि कोई स्कूल निर्धारित समय-सीमा में ऑनलाइन आवेदन नहीं करता है, तो उस स्कूल को मान्यता विहीन माना जाएगा।

स्कूल शिक्षा मंत्री का निर्देश, स्कूलों के सभी निर्माण कार्य समय-सीमा में हों पूरे

गुणवत्ता और पारदर्शिता के लिए स्कूल शिक्षा विभाग में स्थापित की जाए टेक्निकल विंग

देवास, दोपहर मेट्रो

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी वर्किंग एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में अनिवार्य रूप से पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि कोई एजेंसी तय टाइमलाइन में कार्य पूर्ण नहीं करती है, तो उसके विरुद्ध निर्माण अनुबंध की शर्तों के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।। बैठक में मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग बोर्ड, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, पीआईयू, आईडीए, बीडीए, यूडीए और भवन विकास निगम सहित विभिन्न वर्किंग एजेंसियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। मंत्री सिंह ने निर्देश दिए कि मासिक आधार पर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाए तथा स्टेप-बाय-स्टेप और मंथ-बाय-मंथ लक्ष्य तय कर निर्माण कार्य पूरे किए जाएं। मंत्री ने कहा कि प्रत्येक एजेंसी अपनी कार्ययोजना स्पष्ट रूप से विभाग को उपलब्ध कराए। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए मंत्री सिंह ने स्कूल शिक्षा विभाग में एक तकनीकी विंग गठित करने के निर्देश दिए। यह तकनीकी विंग विभागीय जांच दल के रूप में कार्य करेगा और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति एवं मानकों की नियमित जांच करेगा।

दोपहर मेट्रो | किसानों की आय और सिंचाई क्षमता बढ़ाने पर फोकस

बजट में कृषि क्षेत्र को मिल सकते हैं 70 हजार करोड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। इसमें फोकस किसानों की आमदनी बढ़ाने पर रहेगा। इसके लिए सिंचाई क्षमता का विस्तार किया जाएगा तो उद्यानिकी फसलों के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रत्येक जिले में खाद्य प्रसंस्करण यूनिट स्थापित की जाएंगी। पशुपालन करने पर प्रोत्साहन राशि मिलेगी। ऊर्जा, जल संसाधन, पशुपालन एवं डेयरी के साथ कृषि बजट में वृद्धि की जा सकती है।

उधर, पूंजीगत व्यय 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक रखे जा सकते हैं ताकि अधोसंरचना विकास को गति दी जा सके। औद्योगिक केंद्रों का विकास, 450 नए सांदीपनि विद्यालयों के निर्माण के साथ स्कूल-कालेजों में सुविधा के विकास के लिए स्कूल और उच्च शिक्षा विभाग को अधिक राशि दी जा सकती है। स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन भी प्रस्तावित है। इसके अलावा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग सभी जिलों में संभावनाएं तलाश करेगा और क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। छोटे उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए अनुदान मिलेगा। वहीं, सोयाबीन के बाद सरसों को भी भावांतर योजना के दायरे में लाने की घोषणा बजट में हो सकती है। कृषि सहित संबद्ध क्षेत्रों का बजट 70 हजार करोड़ रुपये के आसपास हो सकता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में वर्ष 2025-26 में इसे 13,409 करोड़ रुपये बढ़ाकर कर 58,257 करोड़ रुपये किया गया था। वित्तीय वर्ष 2026-27 में सिंचाई क्षमता साढ़े सात लाख हेक्टेयर बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी पूर्ति के लिए जल संसाधन और नर्मदा घाटी विकास की विभिन्न योजनाओं को प्रशासकीय स्वीकृतियां दी जा चुकी हैं। बजट 17, 214 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 19-20 हजार करोड़ रुपये किया जा सकता है।

नवकरणीय ऊर्जा को दिया जाएगा प्रोत्साहन

सरकार का लक्ष्य 2030 तक राज्य की कुल बिजली खपत का 50 प्रतिशत हिस्सा सौर, पवन, जल ऊर्जा से पूरा करना है। इसके लिए संयंत्र लगाने वालों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। उपभोक्ताओं को बिजली बिल से राहत देने के लिए अनुदान की योजना जारी रखी जाएंगी। इसके लिए 27 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रविधान रखा जा सकता है।

अधोसंरचना विकास के लिए बढ़ाया जाएगा पूंजीगत व्यय

मध्य प्रदेश में अधोसंरचना विकास और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए सरकार लगातार पूंजीगत व्यय बढ़ा रही है। दरअसल, प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए नए औद्योगिक क्षेत्र बनाए जा रहे हैं, सांदीपनि विद्यालयों, कालेज और अस्पताल भवन बनाए जा रहे हैं। इन सभी के लिए बजट में विभागवार प्रावधान भी रखे जाएंगे। बजट में सरकार सीएम केयर योजना की घोषणा कर सकती है। इसमें सुपर-स्पेशलिटी स्वास्थ्य अधोसंरचना का विस्तार किया जाएगा।

विकास बनाम जंगल

देश के अलग-अलग कोनों से आ रही खबरें एक गंभीर और असहज सवाल खड़ा कर रही हैं- क्या विकास की दौड़ में हम प्रकृति से युद्ध छेड़ चुके हैं? झारखंड में कुछ ही दिनों में हाथी के हमलों में दर्जनों जानें जाना, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश और केरल में वन्यजीवों से हुई मौतें, और महाराष्ट्र जैसे शहरी राज्यों में तेंदुओं की रिहायशी इलाकों तक पहुंच- ये सभी घटनाएं किसी एक राज्य की विफलता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतावनी हैं। मानव और वन्यजीव संघर्ष अब सीमावर्ती जंगलों तक सीमित नहीं रह गया है। शहरों की सीमा जंगलों में घुस चुकी है और जंगल शहरों के भीतर दाखिल हो रहे हैं। मुंबई, पुणे या नागपुर जैसे महानगरों में तेंदुओं का दिखना यह बताता है कि वन्यजीवों के पारंपरिक ठिकाने तेजी से खत्म हो रहे हैं। उन्हें पकड़कर जंगल में छोड़ देना समस्या का इलाज नहीं, बल्कि केवल उसके लक्षण को दबाना है। असल समस्या जंगलों के भीतर पैदा हुई है, और उसका कारण स्वयं मनुष्य है। वनों की अंधाधुंध कटाई से शाकाहारी जानवरों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया है। वहीं सड़क, रेलवे लाइन, हाईवे, नहर और सुरंगों ने उनके प्राकृतिक गलियारों को तोड़ दिया है। धमाकों और मशीनों के शोर ने जानवरों को भयभीत कर दिया है। जब डर और भूख साथ मिलते हैं, तो हिंसा जन्म लेती है- और उसका पहला शिकार इंसान ही बनता है। विशेषज्ञ पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि आने वाले समय में ऐसे संघर्ष और बढ़ सकते हैं। सिमटते जंगलों में जानवरों का टिके रहना मुश्किल होता जा रहा है। वे भटक रहे हैं, नए रास्ते तलाश रहे हैं, और यह भटकाव उन्हें मानव बस्तियों तक ले आ रहा है। विकास परियोजनाओं के दौरान यह दावा किया जाता है कि कटे पेड़ों की भरपाई कहीं और कर दी जाएगी, लेकिन यह तर्क अधूरा है। एक जंगल को विकसित होने में दशकों लगते हैं, जबकि उसके उजड़ने में कुछ ही दिन काफी हैं। पेड़ों के साथ जुड़ा जीवन, उनकी पारिस्थितिकी, तत्काल कहीं और नहीं बसाई जा सकती। यह सच है कि विकास मानव की आवश्यकता है और देश अभी भी कई बुनियादी सुविधाओं में पिछड़ा हुआ है। लेकिन विकास और विनाश के बीच की रेखा बेहद पतली है। यदि विकास प्रकृति को निगलने लगे, तो उसका मूल्य अंततः मानव समाज को ही चुकाना पड़ेगा। वन्यजीवों का बार-बार आबादी वाले इलाकों में आना केवल कानून- व्यवस्था या सुरक्षा का मामला नहीं है, यह प्राकृतिक संतुलन के टूटने का संकेत है। प्रकृति सह-अस्तित्व से चलती है, वर्चस्व से नहीं। यदि संतुलन बिगड़ा, तो विनाश तय है। आज जरूरत इस बात की है कि विकास योजनाओं में जल, जमीन और जंगल को साथ लेकर चला जाए।

अब केवल वृक्षारोपण ही नहीं, वृक्ष-संस्कार को भी जीवन में शामिल करना जरूरी

सुशील कुमार जैन
पर्यावरण कार्यकर्ता, स्तंभकार

आज आवश्यकता है कि हम इस शास्त्रीय चेतना को व्यवहार में उतारें। एक व्यक्ति–एक वृक्ष नहीं, बल्कि एक परिवार–एक उपवन का संकल्प लें। वृक्ष बचेंगे तो पर्यावरण बचेगा, समाज बचेगा और भविष्य सुरक्षित रहेगा।

अब केवल वृक्षारोपण नहीं, वृक्ष-पालन ही सच्चा धर्म है।

वृक्ष : धर्म, जीवन और भविष्य की अनिवार्य शर्त

– शास्त्रों की दृष्टि से पर्यावरण संरक्षण का विस्तृत विवेचन

भारतीय सभ्यता में वृक्ष केवल प्रकृति का एक घटक नहीं, बल्कि जीवन का आधार, धर्म का साधन और भविष्य की पूँजी माने गए हैं। हमारे ऋषियों ने बहुत पहले यह समझ लिया था कि यदि मनुष्य और प्रकृति के बीच संतुलन टूटेगा, तो उसका सीधा प्रभाव मानव जीवन, स्वास्थ्य, समाज और संस्कृति पर पड़ेगा। इसी कारण वेद, पुराण, स्मृतियाँ और महाकाव्य–सभी में वृक्षों की महिमा विस्तार से वर्णित है।

आज जब जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, रोग, मानसिक तनाव, सूखा और बाढ़ जैसी समस्याएँ हमारे सामने हैं, तब शास्त्रों में निहित वृक्ष-दर्शन किसी धार्मिक उपदेश से अधिक व्यावहारिक जीवन-सूत्र बन जाता है।

वृक्ष : परोपकार की जीवित प्रतिमूर्ति: नीतिशास्त्र कहता है–पेड़ स्वयं धूप, वर्षा, शीत और आँधी सहते हैं, पर दूसरों को छाया, फल और शीतलता देते हैं। यही कारण है कि उन्हें सज्जनों के समान बताया गया है। पेड़ हमें सिखाते हैं कि श्रेष्ठ जीवन वही है जो दूसरों के काम आए। भर्तृहरि का कथन है कि वृक्ष परोपकार के लिए फल देते हैं। यह शिक्षा केवल नैतिक नहीं, बल्कि सामाजिक है–यदि मनुष्य भी वृक्ष जैसा बन जाए, तो समाज स्वतः सुखी हो जाए।

आम : पितृ-तृप्ति और वंश-वृद्धि का प्रतीक: शास्त्रों में आम के वृक्ष को विशेष महत्व दिया गया है। महाभाष्य और गृहसूत्रों में उल्लेख है कि आम का रोपण, रक्षण और पोषण करने से पितर प्रसन्न होते हैं। आम केवल स्वादिष्ट फल ही नहीं देता, बल्कि पोषण, आजीविका और पीढ़ियों की निरंतरता का प्रतीक है। विदुर नीति बताती है कि समय पर पका आम जितना रस देता है, उतना ही भविष्य में बीज से नया वृक्ष भी उत्पन्न करता है–अर्थात सही समय पर किया गया संरक्षण भविष्य को जन्म देता है।

पीपल और बरगद : आध्यात्मिक व सामाजिक आधार भगवद्गीता और महाभारत में पीपल को स्वयं भगवान का स्वरूप कहा गया है। इसके नीचे ध्यान, जप और साधना से मन की अशान्ति दूर होती है। वैज्ञानिक दृष्टि से भी पीपल अधिक ऑक्सीजन देने वाला वृक्ष है। बरगद को अक्षय वृक्ष कहा गया है। यह दीर्घायु, स्थिरता और संरक्षण का प्रतीक है। सीता द्वारा बरगद की पूजा का उल्लेख यह दर्शाता है कि संकट के समय मनुष्य प्रकृति में आश्रय खोजता है।

तुलसी : गृहस्थ जीवन की रक्षक: तुलसी को केवल धार्मिक पौधा समझना भूल होगी। स्कन्ध और पद्म पुराण कहते हैं कि जिस घर में तुलसी का पूजन होता है, वहाँ यमदूत प्रवेश नहीं करते। इसका आशय यह है कि स्वच्छ वातावरण, औषधीय गुण और सकारात्मक ऊर्जा घर को रोग और नकारात्मकता से बचाते हैं। तुलसी जीवन रक्षा की प्रतीक है।

नीम, आँवला, बिल्व : स्वास्थ्य और पाप-नाश नीम रोगों का शत्रु है। आँवला दरिद्रता और रोग का नाश करता है। बिल्व वृक्ष शिव का प्रिय है और इसके पत्र अर्पण से महान पापों का नाश बताया गया है। इन वृक्षों का महत्व केवल धार्मिक नहीं, बल्कि आयुर्वेदिक और पर्यावरणीय भी है।

वृक्ष = पुत्र : शास्त्रों की अद्भुत अवधारणा: महाभारत और मत्स्य पुराण में वृक्षों को पुत्र के समान कहा गया है। प्रसिद्ध श्लोक के अनुसार–दस पुत्रों के बराबर एक वृक्ष है। इसका अर्थ यह है कि पुत्र केवल वंश चलाता है, पर वृक्ष समाज, प्रकृति और भविष्य–तीनों को जीवन देता है।

चेतावनी भी देते हैं शास्त्र: अग्नि और स्कन्ध पुराण स्पष्ट चेतावनी देते हैं कि पेड़ों का विनाश अकाल, बाढ़ और विनाश को जन्म देता है। आज की पर्यावरणीय आपदाएँ इस सत्य की पुष्टि कर रही हैं। वर्षा-काल में वृक्षों को न काटने का निर्देश बताता है कि हमारे ऋषि प्रकृति विज्ञान को कितनी गहराई से समझते थे।

वृक्षारोपण नहीं, अब वृक्ष-संस्कार: आज आवश्यकता केवल पौधा लगाने की नहीं, बल्कि उसे पुत्र की तरह पालने की है। जो व्यक्ति वीरान भूमि पर वृक्ष लगाता है, वह अपनी आने वाली पीढ़ियों को तार देता है–यह शिव पुराण का संदेश है।

वृक्ष बचेंगे तो जल बचेगा,स्वास्थ्य बचेगा,संस्कृति बचेगीऔर भविष्य सुरक्षित रहेगा। अतः यह समय है कि हम शास्त्रों की इस वाणी को केवल पढ़ें नहीं, जीवन में उतारें।

क्योंकि सच यही है–वृक्ष नहीं होंगे, तो भविष्य नहीं होगा।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

वैश्विक उथल - पुथल के बीच भारतीय विवेक और विकास का संतुलन

नीलेश वर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य गहरी अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है और हम भारतीय आनंद के साथ अपने तीज-त्यौहार मना रहे हैं, पूरे देश में भव्य रूप में विभिन्न उत्सवों व समारोहों का आयोजन हो रहा है। हमें यह भी याद रखना होगा कि इसके पीछे हमारे पूर्वजों का बलिदान और भावी योजना है, क्योंकि आज जब हम देखतें हैं तो एशिया, यूरोप, अफ्रीका और मध्य-पूर्व के अनेक हिस्सों में युद्ध, गृहसंघर्ष, सत्ता संघर्ष और तख्तापलट की घटनाएँ अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को लगातार कमजोर कर रही हैं। सीमाई विवाद सशस्त्र टकराव में बदल रहे हैं, लोकतांत्रिक संस्थाएँ दबाव में हैं और विश्व अर्थव्यवस्था पर इसका सीधा असर दिख रहा है। परिणामस्वरूप ऊर्जा संकट, बढ़ती महँगाई और आपूर्ति-श्रृंखला में बाधाओं ने विशेष रूप से विकासशील देशों के सामने अस्तित्व और स्थिरता की दोहरी चुनौती खड़ी कर दी है।

ऐसे संकटों से भरे वातावरण में भारत का दृष्टिकोण संतुलित, परिपक्व और दूरदर्शी दिखाई देता है। जहाँ कई देश युद्ध और टकराव को ही समाधान मान रहे हैं, वहीं भारत ने कूटनीति, संवाद और संयम को प्राथमिकता दी है। भारत ने यह करके दिखाया है कि स्थायी समाधान शक्ति-प्रदर्शन से नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण निर्णयों से निकलता है। पड़ोसी पाकिस्तान के संदर्भ में भी भारत का यही दृष्टिकोण रहा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद उत्पन्न तनावपूर्ण परिस्थितियों में भारत ने सैन्य दृढ़ता के साथ-साथ रणनीतिक संयम का परिचय दिया। उकसावे के बावजूद स्थिति को व्यापक युद्ध में बदलने से रोकना, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तथ्यों के साथ शांतिपूर्ण पक्ष रखना और क्षेत्रीय शांति को प्राथमिकता देना भारत को एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करता है।

आज पूरा विश्व देख रहा है बांग्लादेश में भीड़ द्वारा हिंदू अल्पसंख्यकों का नरसंहार हो रहा है, अमेरिका-रूस और वेनेजुएला विवाद, ईरान में आंतरिक विरोध, इज़रायल-लेबनान संघर्ष, मध्य-पूर्व में तनाव, सीरिया की सैन्य कार्रवाइयाँ, यूक्रेन, गाज़ा, सूडान और म्यांमार के युद्ध, अफ्रीका में तख्तापलट, चीन-ताइवान तनाव, पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हिंसा, अफगानिस्तान की अस्थिरता और नेपाल की राजनीतिक कमजोरी यह सब दर्शाता है कि वैश्विक व्यवस्था गहरे संकट में है।

इन सबके बावजूद भारत के भीतर विकास की गति निरंतर बनी रही। सड़क, रेल, बंदरगाह और हवाई अड्डों जैसे बुनियादी ढाँचों का विस्तार होने के साथ ही डिजिटल इंडिया के माध्यम से तकनीकी समावेशन, स्वदेशी रक्षा उत्पादन और 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा मिलना भारत की विकास-केंद्रित नीति को दर्शाते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से अंतिम पंक्ति के नागरिक तक विकास पहुँचाने का प्रयास जारी है। नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की दिशा में उठाए गए कदमों ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत को मजबूत आधार दिया है। भारत ने विकास और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखा है। एक ओर सैन्य तैयारी और आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया, तो दूसरी ओर लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक सौहार्द को सुरक्षित रखने पर भी जोर दिया। यही संतुलन भारत को उन देशों से अलग करता है, जहाँ सत्ता संघर्ष और अस्थिरता ने विकास को वर्षों पीछे धकेल दिया। देश के भीतर सुधारों की प्रक्रिया भी समानांतर रूप से आगे बढ़ी है। महिला आरक्षण, जीएसटी के माध्यम से कर-व्यवस्था का एकीकरण, तीन तलाक पर प्रतिबंध, अनुच्छेद 370 का निरसन, नागरिकता संशोधन अधिनियम, नई शिक्षा नीति, श्रम संहिताओं का सरलीकरण, दिवालियापन संहिता, डिजिटल डेटा संरक्षण कानून, औपनिवेशिक आपराधिक कानूनों के स्थान पर नई न्याय संहिताएँ, आतंकवाद और भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त प्रावधान तथा चुनावी-प्रशासनिक पारदर्शिता के लिए एसआईआर जैसे कदम यह दर्शाते हैं कि सुधार केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि संस्थागत स्तर पर लागू किए जा रहे हैं। विकास के ये प्रयास ज़मीन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं, जिनमें दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर, वंदे भारत ट्रेनें, अमृत भारत स्टेशन योजना, अयोध्या, काशी और सोमनाथ का सांस्कृतिक पुनर्विकास, मुंबई की कोस्टल रोड और अटल सेतु, सौर-पवन ऊर्जा परियोजनाएँ, मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों का विस्तार, हर-घर जल योजना, गगनयान और सेमीकंडक्टर परियोजनाओं में निवेश तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क-सुरंग-पुल निर्माण ने यह साबित किया है कि भारत की विकास योजनाएँ ठोस कार्यों में बदल रही हैं।

वर्ष 2025 में सुरक्षा की दृष्टि से भारत ने विवेकपूर्ण भूमिका निभाई है। छत्तीसगढ़-तेलंगाना के सीमावर्ती जंगलों में ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के तहत नक्सल-माओवादी नेटवर्क पर निर्णायक कार्रवाई की गई। बीजापुर (छत्तीसगढ़) में नक्सली हिंसा के बाद क्षेत्र-नियंत्रण और तलाशी अभियान चलाए गए। नियंत्रण रेखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सतत गश्त और त्वरित तैनाती से स्थिरता बनाए रखी गई। साथ ही अजेय वॉरियर-25 (राजस्थान), हरिमाऊ शक्ति-2025 (मलेशिया), ऑस्ट्राहिंद-2025 (ऑस्ट्रेलिया) और ब्राइट स्टार-2025 (मिस्र) जैसे अभ्यासों से अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग को मजबूती मिली। राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल-2025 और रक्षा आधुनिकीकरण ने भारत की तैयारी को और सुदृढ़ किया। स्पष्ट है कि युद्ध और अराजकता के इस दौर में भारत ने विवेक, संवाद और समावेशी विकास के मार्ग को चुना है। यही भारतीय दृष्टिकोण न केवल देश के भविष्य को सुरक्षित करता है, बल्कि वैश्विक शांति में भी सकारात्मक योगदान देता है। भारतीय विवेक की यही विजय है और संतुलित विकास ही उसकी पहचान है, जो भविष्य में भारत के विश्व गुरू बनने की राह प्रशस्तप करते हैं। हमें गर्व है कि हम ऐसे महान देश के नागरिक हैं और हमारा सौभाग्य है जो हमने भारत भूमि पर जन्म लिया है। अपने कर्तव्यों और दायित्वों का ईमानदारी से पालन कर हमें देश के स्वाभिमान की रक्षा करनी होगी, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी आनंद व उमंग के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में अपने गौरवमयी इतिहास को देख सके।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्दी ट्रेडिशन

केले के पत्ते पर खाना खाने से पाचन होता है बेहतर, बैक्टीरिया से भी बचाव

साउथ इंडिया के कल्चर में केले के पत्ते पर भोजन करना केवल परंपरा या पर्यावरण के प्रति सम्मान का प्रतीक ही नहीं है बल्कि यह सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। यहां केले के पत्ते पर परोसे गए भोजन का महत्व आज भी उतना ही खास है। केले के पत्ते में मौजूद प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण खाने के साथ शरीर में पहुंचते हैं, जिससे पाचन बेहतर होता है और इम्यूनिटी मजबूत होती है। इसके अलावा गर्म खाना परोसने पर पत्ते से निकलने वाले पोषक तत्व भोजन के स्वाद और पौष्टिकता को भी बढ़ा देते हैं, जिससे यह तरीका सेहत और स्वाद दोनों के लिए लाभकारी साबित होता है।

आज के समय में जहां अधिकतर लोगों के घर में केवल फैंसी बर्तनों का इस्तेमाल होता है। वहीं, दक्षिण भारत समेत देश के कई राज्यों में आज भी लोग केले के पत्तों पर खाना परोस कर खाते हैं। ये प्रथा सदियों पुरानी है, जिसका आज भी बखूबी पालन किया जाता है, खासकर धार्मिक आयोजनों और त्योहारों में। केले के पत्तों पर खाना केवल एनवायरनमेंट-फ्रेंडली विकल्प ही नहीं है बल्कि इससे कई स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं, जिन्हें जानने के बाद आप भी प्लास्टिक और स्टील के बर्तनों में खाना खाना छोड़ देंगे

एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज से भरपूर: केले के पत्ते में प्राकृतिक तौर पर एंटीऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी यौगिक मौजूद होते हैं, जो हानिकारक बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते हैं। ऐसे में आप बीमारियों से बचते हैं। साथ ही पत्ते की सतह पर मौजूद तत्व बैक्टीरिया को पनपने नहीं देते, जिससे खाना साफ और सुरक्षित रहता है। इसमें पॉलीफेनोल्स पाया जाता है, एक बेहद पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट है। स्टडीज के मुताबिक, यह एंटीऑक्सीडेंट इंफ्लेमेशन को कम करने, सेल डैमेज से बचाने में मदद करता है। साथ ही इसकी मदद से आप हार्ट डिजीज, डायबिटीज, कैंसर और न्यूरोडीजेनेरेटिव स्थितियों जैसी पुरानी बीमारियों से बचते हैं।

पाचन के लिए बढ़िया: इसके अलावा जब आप केले के पत्ते पर खाना खाते हैं तो इससे आपके गट हेल्थ को भी फायदा मिलता है। इसमें नेचुरल एंजाइम और फाइबर पाए जाते हैं जो खाने को पचाने में काफी ज्यादा मददगार साबित होते हैं। साथ ही इससे अच्छे आंत बैक्टीरिया को बढ़ावा मिलता है, जिससे आप पाचन संबंधी समस्याओं से भी बच पाते हैं।

सुविचार

जिंदगी जीना आसान नहीं होता। बिना संघर्ष के कोई महान नहीं होता।

–अज्ञात

निशाना

हम तो पतंग हैं..!

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

उनके हाथों डोर हम तो पतंग हैं
हर घड़ी हर पल हम संग- संग हैं,
इशारों पर उनके ही नाच रहे हम
जीवन हर कदम यहां नई जंग है,
यूँ तो खुला है आसमां हर तरफ यहां
असल में वहाँ भी देखिए रास्ता तंग है,
क्या घट जाये किस घड़ी जानते हैं सब
फिर भी देख के आदमी हो रहा दंग है,
कभी यहां पे धूप तो कभी छाँव है
जीवन के यहां पल पल बदलते रंग है,
इक अजब नशे में चूर कुछ होश ही नहीं
लगता है अमृत लोग सभी पिये भंग हैं।

गेजेट्स अपडेट

नहीं बढ़ा फोल्डेबल हेंडसेट का बाजार, इस साल भी नहीं आएगा वन प्लस का ओपन- 2 फोन

वन प्लस ओपन 2 और वन प्लस 15s इस बार लॉन्च नहीं किया जाएगा। हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वन प्लस इनकी लॉन्चिंग को कैंसल कर सकता है। एक जाने-माने टिप्सटर Yogesh Brar के मुताबिक, इन दोनों फोन को कंपनी इस साल लॉन्च नहीं करने पर विचार कर रही है। कहा जा रहा है कि इनकी जगह यह है कि बहुत से मिलते-जुलते फोन बाजार में आ सकते हैं। वनप्लस ओपन 2 के कैंसल होने की वजह यह हो सकती है कि फोल्डेबल फोन का बाजार अभी उतना बड़ा नहीं हुआ है, जितना कंपनी चाहती थी। वहीं, वनप्लस 15ह्य के कैंसल होने का कारण यह हो सकता है कि ये वनप्लस 15ञ्ज से बहुत मिलता-जुलता फोन होता है, इसलिए एक-जैसे दो फोन्स की जरूरत नहीं है।

2023 में कंपनी ने अपना पहला फोल्डेबल फोन OnePlus Open लॉन्च किया था। तीन साल बाद भी 2026 में शायद ही इसका अपग्रेड वर्जन देखने को मिले। योगेश ब्रार के अनुसार, कंपनी इस साल यह फोन लॉन्च नहीं करेगी। यह साफ नहीं है कि यह सिर्फ इस साल के लिए है या वनप्लस फोल्डेबल फोन बनाना ही बंद कर देगा। इसके अलावा, टिप्सटर ने यह भीकहा है कि लगभग 90% संभावना है कि वनप्लस 15s को भी कैंसल कर दिया गया है।

इसका एक और कारण यह भी हो सकता है कि वनप्लस की पैरेंट कंपनी ओप्पो अपने स्नद्बठ्ठस्र ह्6 फोन को दुनिया भर में लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। अगर वनप्लस ओपन 2 आता, तो वह शायद Find N6 का ही रीब्रांडेड वर्जन होता। ऐसे में,

वनप्लस ओपन 2 की जरूरत कम हो जाती और यह ओप्पो के फोन की बिक्री पर भी असर डाल सकता था। इसलिए, कंपनी ने शायद दोनों को अलग-अलग लॉन्च करने के बजाय एक ही फोन पर फोकस करने का फैसला किया हो।

वनप्लस 15s की बात है, तो यह फोन शायद सिर्फ भारत में ही लॉन्च होने वाला था। यह वनप्लस 15T जैसा ही फोन होता। इसलिए, कंपनी ने शायद यह सोचा होगा कि दो बहुत मिलते-जुलते फोन की जरूरत नहीं है। अगर ये खबरें सही साबित होती हैं तो OnePlus लवर्स के लिए यह अच्छा नहीं है।

अजब - गजब

यूक्रेन में है दुनिया की सबसे लंबी इमारत, तीन किमी की दूरी तय करने में लगता है एक घंटा

दुनिया भर में कई ऐसी जगहें हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। इनमें से कुछ का निर्माण इंसानों ने किया है, तो कई कुदरती हैं। कहीं पर दुनिया की सबसे बड़ी और लंबी दीवार है, तो कहीं पर जमीन के अंदर से आग निकलती रहती है। आज हम आपको एक ऐसी इमारत के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे दुनिया में सबसे लंबी इमारत होने का दर्जा प्राप्त है। यूक्रेन के लुत्स्क शहर में यह इमारत मौजूद है, जिसे देखकर लोगों की आंखें फटी की फटी रह जाती हैं। सोवियत काल की यह विरासत आज 'दुनिया की सबसे लंबी आवासीय इमारत' का खिताब अपने नाम किए हुए है। कंक्रीट से बनी इस संरचना की कुल लंबाई लगभग लगभग 3 किमी है।

स्थानीय लोग प्यार से इसकी तुलना 'चीन की सबसे लंबी दीवार से करते हैं, क्योंकि इसकी लंबाई का अंदाजा जमीन पर खड़े होकर लगाना लगभग नामुमकिन है। इस अजब-गजब इमारत का निर्माण 1969 में सोवियत संघ के दौरान शुरू हुआ था और इसे पूरा होने में 11 साल का लंबा समय लगा। दो वास्तुकारों आरजी मेटेलनित्सकी और वीके मालोवित्सा के दिमाग की उपज यह इमारत आज 40 साल बाद भी दुनिया में बेजोड़ है। यदि आप इसके एक छोर से सामान्य गति से पैदल चलते हैं, तो आपको दूसरे छोर तक पहुंचने में लगभग एक घंटे का समय लगेगा। आसमान से देखने पर इसका डिजाइन किसी विशाल मधुमक्खी के छत्ते जैसा नजर आता है, जो इसके आकर्षण को और बढ़ा देता है।

इस इमारत की विशालता का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि इसमें सैकड़ों प्रवेश द्वार और 3,000 से अधिक अपार्टमेंट हैं। यहां की हजारों खिड़कियों के पीछे लगभग 10,000 रहते हैं, जो इसे दुनिया के कई छोटे शहरों से भी बड़ा बनाता है। शुरुआती दिनों में यहां रहने आए लोग हफ्तों तक अपने अपार्टमेंट खोजने में भटकते रहते थे, जिसके बाद प्रशासन को यहां हर अपार्टमेंट के लिए एक विशेष एड्रेस सिस्टम लागू करना पड़ा। भले ही यह इमारत

आज एक आधुनिक अजूबे के रूप में खड़ी है, लेकिन युद्ध की विभीषिका ने इसे भी संकट में डाल दिया है। हालांकि, यह यूक्रेन के पश्चिमी हिस्से में शुरुआती शहरों से दूर है, फिर भी बमबारी का खतरा लगातार बना रहता है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस इमारत को तत्काल मरम्मत की जरूरत है, लेकिन युद्ध के समय में इतने बड़े फंड का इंतजाम करना एक बड़ी चुनौती है।

न्यूज विंडो

मकरसंक्रांति पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम। मकरसंक्रांति पर्व को लेकर मंगलवार को नगरपालिका कार्यालय में नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा नगरपालिका अधिकारी कर्मचारियों की बैठक ली गई। इस दौरान समस्त अधिकारी कर्मचारियों को मकरसंक्रांति पर्व पर मां नर्मदा के सभी घाटों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी पाइंटों पर शाम के समय विशेष रूप से अलाव जलाए जाएं। इस दौरान घाटों पर चल रहे पुताई कार्य की भी समीक्षा की गई। बैठक में उपयंत्री दीक्षा तिवारी, कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी, गौरव वर्मा आदि उपस्थित थे। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने नगर के समस्त नागरिकों से आग्रह किया है कि मां नर्मदा के घाटों पर किसी भी प्रकार से गंदगी न करें। मां नर्मदा में स्नान करते समय साबुन और शैंपू का उपयोग न करें। साथ ही मां नर्मदा में स्नान करते समय सावधानी बरतें। साथ में आए हुए छोटे बच्चों का ध्यान रखें।

निष्पक्ष और स्वस्थ लोकतंत्र का आधार है शुद्ध मतदाता सूची: विधायक

गंजबासौदा। विधायक ने क्षेत्र में चुनाव आयोग के निर्देश पर चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य एसआईआर की समीक्षा की जिसमें बीएलओ के द्वारा किए गए कार्य की जानकारी ली गई। वहीं ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं, बूथ अध्यक्षों से पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने की अपील की। इसी दौरान ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने अधिक से अधिक नवीन मतदाताओं को शामिल करने और मतदाता सूची के शुद्धिकरण में सहयोग करने का संकल्प लिया। इस दौरान विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम ककरावदा, सिरनोटा, त्योंदा, ग्यारसपुर, रसूलपुर सहित क्षेत्र के ग्रामों में पहुंचे।जिसमें विधायक ने विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान 2003 की मतदाता सूची के मिलान से वंचित मतदाताओं की सूची, मृतक, स्थानांतरित और अनुपस्थित मतदाताओं की जानकारी ली । इसी दौरान मतदान केंद्रों के अंतर्गत नवीन पात्र लोगों को मतदाता सूची में जोड़ने की समझाईश दी साथ ही नवीन मतदाताओं के आवेदन जमा करवा कर उनका माला पहनाकर स्वागत किया।विधायक ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र वाला देश है। निष्पक्ष और स्वस्थ लोकतंत्र का आधार शुद्ध मतदाता सूची होती है। ग्रामीणों से अपील और बीएलओ को निर्देश देते हुए कहा कि अंचल चल में कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रह जाए। इसको लेकर ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने नवीन और पात्र लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने का संकल्प लिया।

रघुवंशी समाज के तहसील अध्यक्ष बने देवेंद्र, किया स्वागत

गंजबासौदा। वरिष्ठ व्यवसायी एवं प्रगतिशील कृषक देवेंद्र सिंह रघुवंशी पप्पू रामजी सिरसावली को सर्वसम्मति रघुवंशी समाज के तहसील अध्यक्ष घोषित किया गया है। रघुवंशी के गंजबासौदा तहसील अध्यक्ष पद की घोषणा समाज के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष प्रहलाद सिंह रघुवंशी की सहमति से समाज के जिला अध्यक्ष मोहर सिंह रघुवंशी द्वारा की गई है। तहसील अध्यक्ष मनोनीत होने पर देवेंद्र सिंह का समाजजनों ने उत्साह के साथ पुष्पमालाओं से स्वागत किया। रघुवंशी समाज के नवनियुक्त तहसील अध्यक्ष देवेंद्र सिंह रघुवंशी सिरसावली ने कहा कि समाज को संगठित करने के लिए सक्रिय इकाइयों का गठन किया जाएगा। युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठजनों को साथ लेकर संगठन को मजबूत किया जाएगा, ताकि समाज की आवाज एकजुट होकर प्रभावी ढंग से उठ सके। कार्यक्रम में रघुवंश परमार्थ सेवा ट्रस्ट अयोध्या रघुवंशी धर्मशाला के अध्यक्ष प्रताप सिंह रघुवंशी, मोहन सिंह रघुवंशी, परिचय सम्मेलन समिति के सदस्य गुलाब सिंह रघुवंशी (सरपंच), भूपेंद्र सिंह रघुवंशी, भगत सिंह रघुवंशी, निरंजन सिंह रघुवंशी, चंदन सिंह रघुवंशी (सरपंच), संजय सिंह रघुवंशी, पृथ्वी सिंह रघुवंशी बसरिया, कुलदीप रघुवंशी सहित समाज के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं गणमान्यजन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कोरिया ने बुदार को एक रन से हराकर क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

शहडोल/बुढार। स्थानीय स्व.कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में मंगलवार को अखिल भारतीय विधायक गोल्ड लैदर बाल क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन हुआ। देश के विभिन्न राज्यों से आई 10 टीमों की भागीदारी वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह खेलप्रेमियों और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। उद्घाटन के साथ ही टूर्नामेंट का पहला मुकाबला भी खेला गया, जिसने दर्शकों को रोमांच से भर दिया। उद्घाटन के बाद टूर्नामेंट का पहला मैच डीसीए कोरिया और बुढार टीमों के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कोरिया की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर 175 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज घनश्याम ने शानदार 75 रन की पारी खेली, जबकि बल्लेबाज पवन ने तेजी से32 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। विपक्षी टीम की ओर से गेंदबाज पीयूष ने 3 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बुढार टीम ने आक्रामक शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज रितेश ने 38 गेंदों में 70 रन बनाकर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। अंतिम ओवरों में दर्शकों की धड़कनें तेज हो गईं, लेकिन सधी हुई गेंदबाजी के दम पर कोरिया टीम ने मैच 1 रन से अपने नाम कर लिया। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार घनश्याम को दिया गया। मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉ.केदार सिंह रहे , कार्यक्रम की अध्यक्षता धनपुरी नगर पालिका की अध्यक्षा श्रीमती रविंदर कौर छाबड़ा ने की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर परिषद बुढार की अध्यक्षा शालिनी सरावगी एवं बकहो नगर परिषद की अध्यक्षा मौसमी केवट रहीं।

मकर संक्रांति: नर्मदा घाट पर डुबकी लगाने उमड़े श्रद्धालु, तिल-खिचड़ी का दान

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मकर संक्रांति की तारीख को लेकर ज्योतिषियों में मतभेद के बावजूद नर्मदा नदी के सेठानी घाट सहित अन्य घाटो पर आज सुबह से ही भक्तों का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा रहे हैं, स्नान का ये सिलसिला आज दिनभर चलेगा। भले ही कुछ विशेषज्ञ 15 जनवरी को इस पर्व का सही समय बता रहे हों। आज नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा और भोपाल जैसे शहरों से पहुंचे भक्तों ने नर्मदा के पवित्र जल में स्नान कर मकर संक्रांति का उत्सव मनाया। सेठानी घाट पर तिल-खिचड़ी दान का विशेष महत्व होने से लोग बड़े उत्साह से इनका वितरण कर रहे हैं। इसके अलावा सत्यनारायण भगवान की कथा सुनने के साथ ही दरिद्र नारायण को कंबल भेंट करने का सिलसिला जारी है। मकर संक्रांति को हिंदू धर्म में सूर्य देव की उत्तरायण गति का प्रतीक माना जाता है, जो नई ऊर्जा और समृद्धि लाता है। स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं, ताकि भक्त निर्बाध रूप से पूजा-अर्चना कर सकें। बताया जा रहा है कि स्नान दान कल यानी 15 तारीख को भी किया जाएगा।

स्कूली छात्रा को अगवा कर बेचने के मामले का खुलासा, आरोपी फरार

नाबालिग को प्रेमजाल में फंसाकर आगरा में एक लाख में बेचा, खरीदार गिरफ्तार

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

बम्होरीकलां थाना क्षेत्र के एक गांव की कक्षा 10 वीं की 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा को युवक ने प्रेमजाल में फंसाकर अगवा किया और फिर बाद में आगरा ले जाकर एक लाख रुपए में बेचने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने नाबालिग को सकुशल बरामद करते हुए उसे खरीदने वाले आरोपी को उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर (गोमती बुद्ध नगर) से गिरफ्तार कर लिया ह। जबकि बेचने वाला आरोपी फिलहाल फ रार है।

जानकारी के अनुसार करीब तीन महीने पहले एक युवक ने नाबालिग छात्रा को बहला फुसलाकर भगा लिया था। इसके बाद उसे आगरा ले जाकर एक लाख रुपए में बेच दिया गया और जबरन उसकी शादी करा दी गई। परिजन लगातार बच्ची की तलाश कर रहे थे। पीडिता के परिजन ने बम्होरीकलां थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि 23 सितंबर 2025 को छात्रा बम्होरीकलां आई थी। जहां उसने अपनी साइकिल रखी और बस से मऊरानीपुर की ओर चली गई। मोबाइल लोकेशन और साइबर सेल की मदद से जांच आगे बढ़ाई गई। जांच में पता चला कि नाबालिग उत्तर प्रदेश के थाना बज्जिला, गौतमबुद्ध नगर क्षेत्र में है। इसकी सूचना थाना प्रभारी नीतू खटीक ने एसपी को दी। उनके निर्देश पर जतारा एसडीओपी अभिषेक गौतम के मार्गदर्शन में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश पुलिस के सहयोग से कार्रवाई करते हुए नाबालिग लड़की को बरामद किया और उसे खरीदने वाले आरोपी धीरेंद्र कुमार उर्फ छोटे नायक को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसकी मुलाकात टीकमगढ़ जिले के कुछ युवकों से आगरा में काम के दौरान हुई थी। जिन्होंने एक लाख रुपये लेकर नाबालिग को उसे बेच दिया था। पीडिता के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। वहीं नाबालिग को बेचने वाले अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी नीतू खटीक, एएसआई हरिशंकर गौड़, मुकेश मिश्रा, अब्बास खान, जयकांत प्रजापति, अनूप अनुरागी, मनोज सविता, देवेंद्र सिंह गुर्जर रहे।

प्रशासन ने दिए निर्देश

शहर के बाहर मांस के परिवहन करने पर होगी सख्त कार्रवाई

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

भोपाल में स्लाटर हाउस में गाय का वध होने का मामला सामने आने के बाद स्थानीय प्रशासन के कान खड़े हो गए हैं। प्रशासन द्वारा शहर के थाना परिसर में मांस विक्रेताओं की बैठक का आयोजन किया गया। थाना परिसर में एसडीओपी सोनू डाबर की मौजूदगी में हुई बैठक में एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा ने मांस विक्रेताओं को साफ-सफाई रखने, पशु वध और मांस विक्रय के दौरान विशेष सुरक्षा रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विक्रेताओं को पशु वध से जुड़ी समस्त जानकारी जिम्मेदारों को समय पर पहुंचाने की बात कही। उन्होंने विक्रेताओं को शहर के बाहर मांस विक्रय करने से स्पष्ट मना करते हुए ऐसा पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई के बात भी कही। बैठक में पशु चिकित्सालय के डॉक्टर भी मौजूद थे। एसडीएम ने उन्हें भी इस संबंध में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। इस संबंध में उन्होंने नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू से भी इस मामले में सतर्कता रखने की हिदायत देते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही होने पर कार्रवाई की बात कहते हुए शहर में होने वाले विवाह आयोजनों में मांस के उपयोग पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। सीएमओ ने बताया कि विवाह आयोजन में कितने मांस का उपयोग किया जाना है। इसकी जानकारी आयोजकों को नपा के पास अंकित करवाना होगी। इस संबंध में हम दिशा-निर्देश जारी कर रहे हैं। बैठक में शहर में पाड़ा के मांस विक्रय करने वाले 21 और बकरे का मांस विक्रय करने वाले 7 लायसेंसधारी विक्रेता मौजूद थे।

युवक का शव डैम में मिला, पड़ताल जारी

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

लटेरी रोड पर स्थित केथन डैम में मंगलवार सुबह एक शव तैरता दिखाई दिया। नपा के फिल्टर प्लांट पर काम करने वाले कर्मचारियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने शव को पानी से निकलवाया। शव की नाक और मुहं में पर खून के निशान दिखाई दे रहे थे तथा शरीर का अधिकांश हिस्सा फूल गया था। उसकी जेब में मोबाइल भी मिला। सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करने पर शव की पहचान नयापुरा निवासी कुणाल साध उम्र 21 साल के रूप में हुई। परिजनों ने उसके कपड़ो से उसे पहचाना। वह अविवाहित था। पुलिस के मुताबिक मृतक कुणाल 9 जनवरी को अपने घर से इन्दौर काम करने जाने का कर निकला था। इसके बाद मंगलवार को उसका शव मिला। मामला खुदकुशी का है या फिर हत्या का यह अभी स्पष्ट नहीं है। फिलहाल मामले में मर्ग कायम किया गया है।

साइकिल चला रहा मासूम चाइनीज मांझे से हुआ घायल

कटनी। दोपहर मेट्रो

कोतवाली थाना क्षेत्र के राहुलबाग में चाइनीज मांझे की खतरनाक मौजूदगी ने एक बार फिर इसकी भयावहता को उजागर कर दिया है। कॉलोनी के पार्क में साइकिल चला रहे सात वर्षीय मासूम बच्चे के गले में अचानक पतंग का मांझा फंस गया, जिससे उसके गले में चोट आ गई। घटना के बाद परिजन घबरा गए और आनन-फानन में बच्चे को अस्पताल ले जाया गया, जहां समय रहते तत्काल उपचार किया गया।

बच्चे का उपचार करने वाले डॉ. प्रसंग बजाज ने बताया कि मांझे से घायल बच्चा उनके परिचित परिवार का ही है। गले में आई चोट की स्ट्रीचिंग करनी पड़ी। डॉक्टरों के अनुसार यदि मांझा थोड़ी देर और गले में फंसा रहता तो यह चोट जानलेवा भी हो सकती थी। गले की नस कटने का गंभीर खतरा था। गनीमत यह रही कि उसे गंभीर चोट नहीं आई। यह घटना चार दिन पहले की

है, जो अब सामने आई है। इस गंभीर घटना को लेकर नगर निगम की राजनीति भी गरमा गई। एमआईसी सदस्य एवं पार्षद सुभाष साहू शिब्बू ने मंगलवार को नगर निगम में आयोजित एमआईसी की बैठक में यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने महापौर और निगम अधिकारियों के समक्ष कहा कि चाइनीज मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद शहर में इसकी चोरी-छिपे बिक्री हो रही है। उन्होंने नगर निगम और पुलिस प्रशासन से सघन जांच अभियान चलाकर ऐसे विक्रेताओं पर सख्त कार्रवाई की मांग की। पार्षद ने कहा कि यह मांझा एक मासूम की मौत की वजह भी बन सकता था।

नपा कर्मचारी को जान से मारने की धमकी देने वाले युवक पर केस

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका कार्यालय में कर्मचारी के साथ गाली-गलौच करने और उसे जान से मारने की धमकी देने वाले युवक पर प्रकरण दर्ज किया गया है। इस संबंध में सोमवार को नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने एक पत्र भी सिरोंज थाने में दिया था। जिसमें उन्होंने नपा में आवास योजना शाखा के प्रभारी दिलीप नामदेव द्वारा दिए गए आवेदन का उल्लेख किया था। दिलीप के साथ वार्ड 2 में रहने वाले नदीम खां ने सोमवार को कार्यालय परिसर में ही गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी तक दे डाली। मामले में सिरोंज पुलिस ने नदीम के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

सरकारी स्कूल में विद्यार्थियों को बेंच-डेस्क और परीक्षा सामग्री दी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना की पहल पर चल रहे अभियान ने जिले की शासकीय संस्थाओं को मजबूत बनाने और बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस अभियान के तहत वरिष्ठ अधिकारी नियमित रूप से विकासखंड, तहसील और ग्राम पंचायत स्तर पर भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं तथा समस्याओं का त्वरित समाधान कर रहे हैं।इसी कड़ी में परिवर्तक अधिकारी एवं क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) रिंकू शर्मा ने शासकीय माध्यमिक एकीकृत विद्यालय कुलामडी का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं की बैठने की सुविधा सुधारने के लिए बेंच-डेस्क उपलब्ध कराए, ताकि बच्चे आराम से पढ़ाई कर सकें। परीक्षा की तैयारी को ध्यान में रखते हुए एग्जाम बोर्ड, पैड और पेन भी वितरित किए। श्रीमती शर्मा ने विद्यार्थियों से बातचीत कर परीक्षा संबंधी उपयोगी सलाह दी। साथ ही मध्यान्ह भोजन योजना का जायजा लिया और शाला परिसर की स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश शाला प्रबंधन व ग्राम पंचायत सचिव को दिए। इन प्रयासों से बच्चों के चेहरों पर उत्साह और खुशी साफ झलक रही थी।

मेट्रो एंकर — यातायात जागरूकता अभियान: डीएसपी ने छात्रों को दी सड़क सुरक्षा की समझाइश

छोटी-छोटी सावधानियों से हादसे रोके जा सकते हैं: मिश्रा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

दुनिया मंगल ग्रह पर जीवन की तलाश में लगी है, लेकिन हम यहां सड़क दुर्घटनाओं से लोगों का जीवन बचा रहे हैं। यह बात उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) संतोष मिश्रा ने सेमेरिटंस विद्यालय में आयोजित यातायाक जागरूकता अभियान के दौरान कही। यातायात पुलिस ने छात्र-छात्राओं को सड़क नियमों से अवगत कराया। संतोष मिश्रा ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारण सड़क, वाहन, मौसम और सड़क उपयोगकर्ता हैं, लेकिन कुशल उपयोगकर्ता सभी कमियों के बावजूद सुरक्षित पहुंच सकता है। उन्होंने विश्व, भारत और मध्य प्रदेश में दुर्घटनाओं का तुलनात्मक आंकड़ा प्रस्तुत कर

समस्या की गंभीरता बताई। छोटी-छोटी सावधानियों से हादसे और मौतें रोकी जा सकती हैं। वाहन चलाते समय नियमों का पालन करें, परिजनों को भी जागरूक करें।उन्होंने जोर देकर कहा, ना कहना सीखें–चाहे नशा हो, नियम उल्लंघन हो, बिना लाइसेंस वाहन चलाना हो या कोई वैधानिक गलती। गलत संगति से केवल पश्चाताप मिलता है। दूसरों की गलतियों से सीखें, अपनी बारी का इंतजार न करें। यातायात निरीक्षक सुनीता पटेल ने बताया कि दुपहिया वाहन पर हमेशा हेलमेट लगाएं। नशे से दूर रहें, क्योंकि यह परिवार बर्बाद करता है और अधिकांश हादसे इसी से होते हैं। दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की मदद करें। सरकार प्रोत्साहन योजना चला रही है। उन्होंने राहवीर योजना, हिट एंड रन पीड़ित प्रतिकर योजना व कैशलेश योजना की जानकारी भी दी। कार्यक्रम के अंत में छात्रों को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर प्राचार्य प्रेरणा रावत, उप प्राचार्य आरके रघुवंशी व यातायात कर्मी उपस्थित रहे।

न्यूज विंडो

मनावर में पकड़ी 167 पेटी अवैध शराब, दो आरोपियों को भेजा जेल

धार। आबकारी वृत्त मनावर की टीम ने घेराबंदी कर एक पिकअप वाहन से भारी मात्रा में अवैध देशी शराब और बियर जब्त की है। जब्त शराब और वाहन की कुल कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी विवेक मिश्रा के नेतृत्व में उप निरीक्षक एकता सोनकर एवं टीम ने इंदौर-मनावर रोड पर टोकी फाटा के पास संदिग्ध पिकअप एमपी 09 डीजेड 9023 को रोका था। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से कुल 167 पेटियां बरामद हुईं जिसमें 150 पेटी माउंट और 17 पटी देशी मदिरा है। आबकारी की टीम ने मौके से दो आरोपी बलराम निवासी लॉगसरी कुक्षी और राहुल पिता दिनेश निवासी बाग को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों पर आबकारी की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर मनावर उप जेल भेजा गया है। आबकारी उप निरीक्षक एकता सोनकर के साथ आबकारी आरक्षक नारायण सिंह भवलकर और बलबीर सिंह राठौड़ का विशेष योगदान रहा।

मकर संक्रांति पर्व आज गुड़ तिल घोल रहे मिठास

तेंदूखेड़ा। मकर संक्रांति पर्व पर खासतौर पर महिलाओं ने विशेष तैयारी की है। महिलाओं में मकर संक्रांति पर्व को लेकर खासा उत्साह देखा गया। महिलाओं ने बताया कि मकर संक्रांति पर सुबह नदी, तालाब सहित अन्य सरोवर में आस्था की डुबकी लगाकर सूर्य आराधना करेंगे। पर्व के ठीक पहले महिलाएं जहां स्वादिष्ट लजीज पकवान बनाने में जुटी रहीं, वहीं यूथ ने मेले में घूमने के लिए नए परिधान भी खरीदे। चाइल्ड से लेकर यूथ में पर्व को लेकर खासा उत्साह है चाइल्ड, यूथ जहां पर्व को लेकर विभिन्न तैयारियों में जुटे हैं मकर संक्रांति नगर के पंचवटी मंदिर, बांदकपुर धाम, टपका मेला, पंडाबाबा धाम, बड़ी खेर माई मंदिर, किशनगढ़ जैन मंदिर सहित तेंदूखेड़ा ब्लॉक के धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थलों पर परंपरा अनुसार मेला भरेगा। मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी जहां दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना करेंगे जिसे लेकर मंदिरों में साफ सफाई कर ली गई है। इधर पर्व को लेकर बाजार में काफी चहल-पहल रही। लोग किराना दुकानों से तिल, गुड़ एवं पूजन सहित अन्य सामग्री की खरीदारी में लगे रहे। पं. गोपाल शास्त्री ने बताया कि मकर संक्रांति के दिन सुबह नदी, पवित्र सरोवरों या घरों में स्नान कर भगवान सूर्य को तिल, चावल, गुड़ आदि अर्पित कर दीन दुखियों एवं गरीबों को दान पुण्य करने का विशेष महत्व है।

पक्षियों की गणना में 191 प्रजाति के जलीय और प्रवासी पक्षी मिले

तेंदूखेड़ा। वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बाघों की बढ़ती संख्या और अफ्रीकन चीतों की आमद के लिए सुर्खियां तो बटोर ही रहा है। यहां की आबोहवा जलीय प्रवासी पक्षियों को भा गई है। आलम ये है कि टाइगर रिजर्व (नौरादेही) में 7 और 8 जनवरी को हुई एशियाई जलीय पक्षियों की गणना में 191 प्रजाति के जलीय और प्रवासी पक्षी पाए गए हैं। टाइगर रिजर्व प्रबंधन फिलहाल इन पक्षियों के आंकड़ों पर काम कर रहा है, लेकिन कुछ दुर्लभ और विशेष आदतों वाले पक्षियों के बारे में प्रबंधन ने हमारे संवाददाता से जानकारी और फोटोग्राफ शेयर किए हैं। जिनमें इन पक्षियों के यहां आने के कारण, उनकी भोजन की आदतों और रंगरूप के बारे में बताया गया है। इन दिनों एशियाई प्रवासी पक्षियों की गणना देश भर में चल रही है। इसी कड़ी में टाइगर रिजर्व में गणना की गई। डिप्टी डायरेक्टर डॉ ए ए अंसारी बताते हैं कि एशियाई जलीय पक्षी गणना वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में 7 और 8 जनवरी को ये गणना हुई थी, जिसमें 10 वांलटियर शामिल हुए थे. इस गणना में नौरादेही अभ्यारण्य के तालाब में 108 प्रजातियां मिली और वीरांगना रानी दुर्गावती अभ्यारण्य दमोह में 83 प्रजातियां मिली हैं। हम लोग अभी आंकड़ों पर काम कर रहे हैं और जल्द ही तमाम फोटोग्राफ्स के साथ जारी करेंगे। इस टाइगर रिजर्व में इस बार कुछ नए मेहमान पक्षी मिले हैं। जैसे ग्रेलैग गूज मिला है, वो भी हमें एक तालाब में मिला है। ये शाकाहारी बड़ी बत्तख होती है। इसकी चोंच गुलाबी और बड़ी साइज की होती है, ये ठंडे प्रदेशों से यहां पर भोजन करने आती है। इसके अलावा ग्रीन विंग्ड टील भी कई जगह पर देखी गई। ये इस बात का संकेत है कि हमारे यहां के जलस्त्रोत इन्हें पसंद आ रहे हैं।

हाईरिस्क प्रेगनेंसी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, रखें निगरानी: कलेक्टर

हाई रिस्क माता की कुशलक्षेम जानने उनके घर पहुंचे कलेक्टर संदीप जीआर

सागर। दोपहर मेट्रो

अक्सर अधिकारी निरीक्षण के लिए फाइलों और सड़कों को देखते हैं, लेकिन सागर कलेक्टर संदीप जी आर ने रहली के पिपरिया नरसिंह गांव में मानवता की एक नई मिसाल पेश की। क्षेत्र के दौरे पर निकले कलेक्टर ने जब हाई रिस्क गर्भवती माता कीर्ति गोंड के बारे में सुना, तो वे स्वयं उनकी कुशलक्षेम जानने जा पहुंचे।

कलेक्टर ने एक अधिकारी की औपचारिकता छोड़कर अभिभावक की तरह कीर्ति गोंड से चर्चा

की। उन्होंने न केवल उनके स्वास्थ्य कार्ड की जांच की, बल्कि पूछा भोजन में फल और दूध ले रही हो न डॉक्टर जो दवा दे रहे हैं, उसे समय पर खाना। कलेक्टर की इस सहजता ने कीर्ति गोंड और उनके परिवार को ढांढस बंधाया। निरीक्षण में कलेक्टर ने बीएमओ और स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सख्त निर्देश दिए कि कीर्ति गोंड जैसी सभी हाई रिस्क माताओं की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाए। प्रसव के समय 108 एम्बुलेंस की उपलब्धता में 1 मिनट की भी देरी न हो। पौष्टिक आहार और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राही तक पहुंचे।

नन्ही मुस्कान पर लुटाया दुलार

इस मुलाकात के दौरान एक बेहद खूबसूरत पल तब आया जब कीर्ति की पहली बेटी पास आकर खड़ी हो गई। कलेक्टर ने तुरंत उसे गोद में लेकर दुलारा और चॉकलेट भेंट की। वहां उपस्थित ग्रामीणों और परिजनों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि बेटियां घर का सौभाग्य होती हैं। उन्होंने संदेश दिया कि बेटियां घर की शान होतीं हैं, रौनक होती हैं, मान होती हैं। इनका सुरक्षित जन्म और बेहतर भविष्य हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

बसंत पंचमी की तैयारियां: आईजी ने लिया सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा

भोजशाला और परिसर की सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी, तैनात रहेगा बल

सीआरपीएफ और आरएएफ के जवानों की सुरक्षा में होगा आयोजन

धार। दोपहर मेट्रो

आगामी बसंत पंचमी उत्सव और उसी दिन शुक्रवार होने को लेकर भोजशाला में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आईजी अनुराग सिंह ने ऑडिट किया। आईडी अनुराग सिंह सबसे पहले अधिकारियों के साथ पुलिस कंट्रोल रुम पहुंचे जहां पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ने बैठक में भोजशाला और उसके परिसर में व्यवस्थाओं को लेकर प्रेजेंटेशन दिया। प्रेजेंटेशन में एसपी ने बताया कि भोजशाला सहित उसके पूरे परिसर को पांच सेक्टरों में विभाजित किया जाएगा, आठ हजार के करीब पुलिसबल रहेगा, पांच सौ का पुलिस बल अभी भोजशाल और उसके आसपास तैनात किया गया है, कंट्रोल रुम में मीटिंग के बाद आईजी ने भोजशाला पहुंचे और पूरे परिसर का निरीक्षण किया।

आईजी ने भोजशाला के पिछले मार्ग पर विशेष रुप से सुरक्षा इंतजाम करने के लिए कहा है। नगर पालिका द्वारा भोजशाला के आसपास जिन लोगों ने अस्थाई अतिक्रमण कर गुमठियों सहित ठेले लगा रखे हैं, इन्हें हटाने के भी निर्देश दिए है। संभवत 18 जनवरी के बाद भोजशाला की पूरी सुरक्षा व्यवस्थाा की जिम्मेदारी आईजी से लेकर डीआईजी ग्रामीण

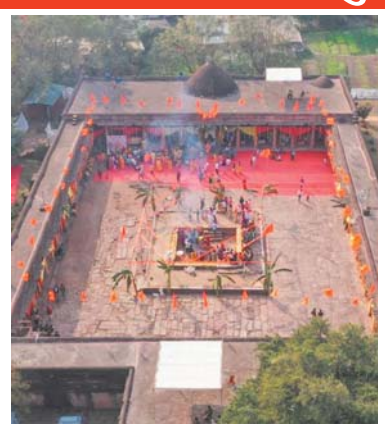

के हाथों में सौंप दी जाएगी।

आईजी अनुराग सिंह ने बताया कि ये हमारा पहला सिक्योरिटी ऑडिट लगभग 8000 की फोर्स का डिप्लॉयमेंट का हमारा प्लान है। तीन-चार फेज में हमारे पास फोर्स आएंगे। फर्स्ट फेज का फोर्स हमारे पास लगभग 500 का बल आ चुका है। अगला 15 तारीख को, फिर 20 तारीख को, 18 और 20 तारीख को कंप्लीट फोर्स हमारे पास आ जाएगा साथ ही हाई राईज भवनों पर अतिरिक्त बल तैनात किया जाएगा, ये सभी

हाई डेफिनेशन के कैमरे हर व्यक्ति की गतिविधियों पर रखेंगे नजर

भोजशाला और उसके आसपास का क्षेत्र पूरी तरह से सर्विलांस में होगा। हाई डेफिनेशन के कैमरे हर व्यक्ति की गतिविधियों पर विशेष नजर रखेंगे। यह कैमरें तेज और डिटेल वाली तस्वीर वीडियो रिकॉर्ड करते है जिससे चेहरे, नंबर प्लेट, गतिविधियाँ साफ दिखाई देती हैं। अंधेरे में भी इंसान साफ दिखते हैं, 20-50 मीटर तक निगरानी संभव होती है। इनकी कैमरों की लिंक वरिष्ठ अधिकारियों के पास होगी जिससे वें भी पूरी परिसर और उसके आसपास नजर रख सखेंगे।

जवान सीधे कंट्रोल रुम के संपर्क में रहेंगे। ताकि किसी भी प्रकार की सूचना पर महज तीन से पांच मिनट में पुलिसबल पहुंच सके। भोजशाला और उसकी सुरक्षा में आरएएफ से लेकर सीआरपीएफ का बल तैनात किया जाएगा, आगामी दिनों में यह बल धार पहुंचेंगा। साथ ही पेट्रोलिंग वाहन शहर के अन्य क्षेत्रों में गश्त करेंगे। सोशल मीडिया पर पुलिस की विशेष नजर रहेंगी। सायबर सेल की टीम की विशेष टीम इस पर निगरानी करेंगी।

पर्यावरण और जीवन पर संकट

टोरेंट पावर की नई परियोजना से विकास के साथ विनाश का खतरा

अनुपपुर। दोपहर मेट्रो

विकास की परिभाषा यदि भौतिक सुख सुविधाओं और अपनी संस्कृति के विनाश के साथ जोड़ते हैं तो ऐसे विकास से हमारी संस्कृति पर्यावरण एवं भौगोलिक स्थितियां एवं भारत सरकार द्वारा संरक्षित जनजाति जैसे भरिया, बैगा एवं अन्य जनजाति अपनी संस्कृति खोजते रह जाएगी ।

टोरेंट पावर लिमिटेड द्वारा अनुपपुर जिले के ग्राम रक्शा, कोलमी और दईखाल में प्रस्तावित कोयला आधारित अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट परियोजना को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। कंपनी की अपनी ही रिपोर्ट से यह संकेत मिल रहे हैं कि इस बड़े प्रोजेक्ट के आने से इलाके की हवा, पानी और मिट्टी की सेहत बिगड़ सकती है। दस्तावेजों के अनुसार थर्मल पावर प्लांट शुरू होने के बाद कोयले के दहन से निकलने वाली धूल और धुआं इन प्रदूषकों को और बढ़ाएगा, जिससे स्थानीय निवासियों को सांस संबंधी बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। रिपोर्ट में स्वीकार किया गया है कि मानसून पूर्व महीनों में सतही जल में बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड और केमिकल ऑक्सीजन डिमांड का स्तर पहले से ही उच्च पाया गया है। परियोजना के संचालन से निकलने वाला अपशिष्ट जल और टर्मिनल पॉइंट्स के पास घुलित ऑक्सीजन की कमी स्थानीय नदियों और जल निकायों के पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर सकती है। कोयला दहन और भारी मात्रा में निकलने वाली राख के कारण आसपास की मिट्टी की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा, निर्माण और संचालन के दौरान उड़ने वाली धूल वनस्पतियों पर जमा होगी, जिससे पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया बाधित होगी और फसल की पैदावार कम हो सकती है। अध्ययन में भूजल में क्षारीयता (322.62 मि.ग्रा./ली.) और कठोरता (310.4 मि.ग्रा./ली.) के उच्च स्तर दर्ज किए गए हैं। पावर प्लांट की भारी पानी की जरूरत के कारण क्षेत्र में भूजल का संकट गहरा सकता है।

असमाजिक तत्व बना रहे फाल्ट, घंटों गुल रही बिजली

मरम्मत का कार्य कर रही टीम के सामने आया भालू, पोल पर चढ़कर बचाई जान

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में कड़ाके की ठंड के बीच विद्युत आपूर्ति बार-बार बाधित हो रही है। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सर्दी के मौसम में विद्युत फाल्ट की समस्या सामने आ रही है। इस बार समस्या का कारण विद्युत विभाग की लापरवाही नहीं बल्कि असामाजिक तत्वों की मनमानी और जंगली जानवरों की बढ़ती मौजूदगी है। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार अज्ञात लोग अपने निजी स्वार्थ के चलते कंसा, निबोरा, सलैया सहित जंगली क्षेत्रों में जानबूझकर विद्युत लाइनों में फाल्ट उत्पन्न कर रहे हैं। इसके कारण एक साथ दर्जनों ग्रामों की बिजली आपूर्ति पांच से छह घंटे तक ठप रही, जिससे किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को भारी परेशानियों

का सामना करना पड़ा। स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब रात्रि में फाल्ट सुधारने गए विद्युत कर्मचारियों का सामना जंगली जानवरों से होने लगा। तेंदूखेड़ा ब्लॉक के जंगलों में नीलगाय, हिरन, मोर जैसे शाकाहारी पशुओं के साथ-साथ तेंदुआ, भालू, जंगली सूअर, सियार एवं अन्य मांसाहारी जानवरों की संख्या बढ़ गई है। ये जानवर अक्सर रात्रि के समय सक्रिय रहते हैं, जिससे फाल्ट सुधार कार्य जोखिम भरा हो गया है। बीते दिनों रात में कंसा-निबोरा के जंगल क्षेत्र में पुनः फाल्ट होने पर विद्युत कर्मी सुधार कार्य के लिए निकले, लेकिन जंगली जानवरों की आहट मिलने पर उन्हें लौटना पड़ा। कर्मचारियों ने बताया कि मंगलवार की सुबह करीब चार बजे पुनः फाल्ट खोजने गए तो जानवरों की मौजूदगी महसूस हुई। जान बचाने के लिए आग जलाई गई और कुछ कर्मचारी विद्युत पोल पर चढ़ गए। कर्मचारियों ने बताया कि कुछ दिन पूर्व सुधार कार्य के दौरान अचानक भालू सामने आ गया था, जो कुछ समय तक क्षेत्र में घूमता रहा। इस घटना के बाद से कर्मचारियों में भय व्याप्त है और रात्रि में जंगल क्षेत्र में कार्य करना असुरक्षित प्रतीत हो रहा है। इस संबंध में तेंदूखेड़ा विद्युत विभाग के जेई एम.एफ. अंसारी ने बताया कि अज्ञात लोग जानबूझकर जंगलों में फाल्ट कर विद्युत आपूर्ति बाधित करते हैं। कर्मचारियों का जंगली जानवरों से सामना हो चुका है, जिसके चलते सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता मानवीय जिम्मेदारी भी है: पटेल

सागर। दोपहर मेट्रो

समाज के कमजोर एवं संवेदनशील वर्गों के प्रति पुलिस की कार्यशैली को अधिक मानवीय, उत्तरदायी एवं संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय जोन स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पुलिस कंट्रोल रूम में किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पुलिस महानिरीक्षक हिमानी खन्ना के निर्देशन में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर अजाक पुलिस अधीक्षक प्रतिमा पटेल ने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता केवल एक कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि पुलिस की नैतिक, सामाजिक एवं मानवीय जिम्मेदारी है। जोन स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सागर, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना एवं निवाड़ी जिलों से आए उप पुलिस अधीक्षक, निरीक्षक एवं उप निरीक्षक स्तर के अधिकारियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान समाज के कमजोर वर्गों से संबंधित कानून, व्यवहारिक चुनौतियां, पुलिस की भूमिका, पीड़ितों से संवाद एवं संवेदनशील पुलिसिंग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागी अधिकारियों को पुलिस महानिरीक्षक हिमानी खन्ना की ओर से प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी, विशेषज्ञ प्रशिक्षक एवं विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागी अधिकारी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर ऐतिहासिक टाउन हॉल का जीर्णोद्धार, उत्कृष्टता महाविद्यालय सागर में विधायक ने किया लोकार्पण

यह एक इमारत नहीं, बल्कि हमारी विरासत का प्रतीक है: जैन

सागर। दोपहर मेट्रो

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय परिसर स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल का विधायक निधि से जीर्णोद्धार किया गया है। लोकार्पण विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने किया। जीर्णोद्धार कार्य में भवन के हेरिटेज लुक को यथावत रखते हुए संरचना को नया स्वरूप दिया गया है। लोकार्पण समारोह के अवसर पर इस टाउन हॉल से जुड़े अनेक वरिष्ठ जन उपस्थित रहे, जिनमें पूर्व सांसद डॉ. लक्ष्मीनारायण यादव, डॉ. सुखदेव तिवारी एवं डॉ. मीना पिंपलापुरे आदि शामिल थे। सभी ने टाउन हॉल से जुड़े अपने संस्मरण साझा किए।

इस अवसर पर विधायक शैलेंद्र ने कहा कि सागर का टाउन हॉल शहर के इतिहास का एक महत्वपूर्ण अंग है, जिसे सागर वासी और

महाविद्यालय प्रशासन आज भी सहेज कर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक इमारत नहीं, बल्कि हमारी विरासत का प्रतीक है। इसका हेरिटेज स्वरूप बनाए रखते हुए जीर्णोद्धार कराना हमारा दायित्व था। यदि हम अपनी संस्कृति, प्राचीन सभ्यता और उनसे जुड़ी इमारतों को संरक्षित रखेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित करा सकेंगे। इसी सोच के तहत बड़े बाजार स्थित चमेली चौक अस्पताल भवन का भी हेरिटेज लुक बनाए रखते हुए पुनरुद्धार कराया गया है तथा स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत शहर की पुरानी इमारतों, बावड़ियों एवं अन्य ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम को भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पद्मा आचार्य ने किया तथा आभार प्रदर्शन जनभागीदारी समिति सदस्य प्रासुख जैन ने माना। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आनंद तिवारी ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति अध्यक्ष मनीषा विनय मिश्रा, अतिरिक्त संचालक डॉ. नीरज दुबे, जगन्नाथ गुरैया, विनय मिश्रा, अरविंद जैन, डॉ. स्मिता दुबे, डॉ. राकेश शर्मा, दीप्ति चंदेरिया, नवीन गिडियन, संजय खरे, एम.एम. चौकसे,नीता खन्ना, शुभम दुबे, राहुल वैद्य सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

सराफा एसोसिएशन के चुनाव में गोविंद जड़िया चुने गए अध्यक्ष

सागर। दोपहर मेट्रो

भारी गहमागहमी के बीच सागर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष सहित अन्य पदों के लिए मतदान हुआ. बड़ा बाजार स्थित बीएस धर्म शाला में मतदान हुआ. मतदान के बाद देर रात तक हुई मतगणना में गोविंद जड़िया अध्यक्ष चुने गए। चुनाव में कुल 2992 पंजीकृत मतदाताओं में से जिले भर से आए 2428 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया।

मतगणना में गोविंद जड़िया को 1329 मत प्राप्त हुए और वे विजयी घोषित किए गए। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कमलेश सोनी को 343 मतों से पराजित किया। जड़िया लगातार पांचवीं बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए। कोषाध्यक्ष पद पर पहली बार चुनाव मैदान में उतरे ब्रजेश सोनी ने 1184 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। मंत्री पद पर महेश सोनी पर को 1638 मत मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंदी अतुल गुड्डू सोनी को 667 मत प्राप्त हुए। इस तरह महेश सोनी ने 971 मतों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की।

होबार्ट इंटरनेशनल

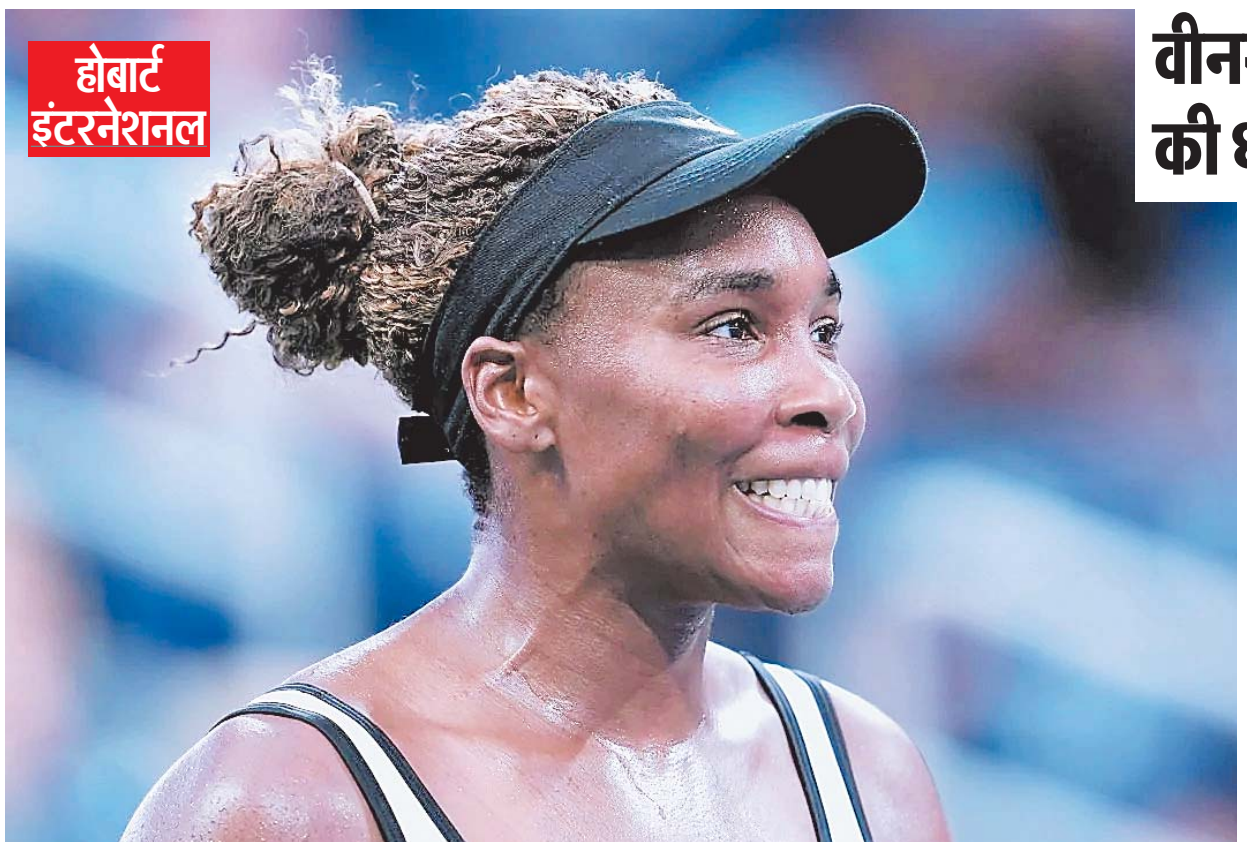

वीनस विलियम्स के खिलाफ तात्याना मारिया की धमाकेदार जीत, 6-4, 6-3 से दी शिकस्त

होबार्ट, एजेंसी

होबार्ट इंटरनेशनल के पहले राउंड में जर्मनी की तात्याना मारिया ने वीनस विलियम्स के खिलाफ 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की। दोनों खिलाड़ियों के बीच पहली बार हुई इस भिड़ंत में प्रतिस्पर्धियों की संयुक्त आयु सबसे अधिक रही। मारिया 38 वर्ष की उम्र में मुकाबले खेलने उतरीं, जबकि विलियम्स 45 वर्ष की थीं, जो 1973 में डब्ल्यूटीए टूर की स्थापना के बाद से किसी भी मुकाबले से लगभग तीन वर्ष अधिक है।

18 जनवरी से मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ओपन की शुरुआत होने जा रही है। वीनस इसके लिए वाइल्ड कार्ड एंट्री हासिल कर चुकी हैं, जो साल का पहला बड़ा टूर्नामेंट होगा। ऐसे में वीनस ग्रैंड स्लैम की तैयारी के हिस्से के तौर पर होबार्ट इंटरनेशनल में खेलने उतरीं, लेकिन पहले राउंड में हारने के बाद खाली हाथ लौटीं। यह लगातार दूसरा टूर्नामेंट था जिसमें अमेरिकी खिलाड़ी पहले ही राउंड में बाहर हो गईं, इससे पहले पिछले हफ्ते ऑकलैंड क्लासिक में भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। 45 वर्षीय वीनस विलियम्स 5 साल बाद मेलबर्न पार्क में लौटने जा रही हैं, जिसके साथ वह रिकॉर्ड बुक में भी अपना नाम दर्ज कराएंगी। वीनस ऑस्ट्रेलियन ओपन में खेलने वाली अब तक की सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने जा रही हैं। पिछला रिकॉर्ड जापान की किमिको डेट के नाम था, जो साल 2015 में टूर्नामेंट में खेलते समय 44 साल की थीं।

वीनस 7 बार जीत चुकी हैं ग्रैंड स्लैम का खिताब

विलियम्स ने अपने करियर में 7 ग्रैंड स्लैम सिंगल्स खिताब जीते हैं। वह पांच विंबलडन और दो यूएस ओपन की विजेता रही हैं। उन्होंने 2002 में 11 हफ्तों तक सिंगल्स में दुनिया की नंबर-1 रैंकिंग भी हासिल की, ऐसा करने वाली वह ओपन एरा में पहली अफ्रीकी अमेरिकी महिला बनीं। डबल्स में वीनस और सेरेना ने 14 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। ओलंपिक इतिहास की सर्वाधिक खिताब जीतने वाली टेनिस खिलाड़ी, वीनस ने पांच ओलंपिक गेम्स में चार गोल्ड मेडल और एक सिल्वर मेडल जीता है, जिसमें सिडनी 2000 खेलों में सिंगल्स और डबल्स गोल्ड शामिल है। चोटों के कारण करियर में रुकावटों के बावजूद, वह अभी भी जीत के लिए संघर्ष कर रही हैं।

भारतीय पुरुष बॉक्सिंग टीम के मुख्य कोच नियुक्त हुए कुटप्पा

नई दिल्ली। द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित सीए कुटप्पा एक बार फिर भारतीय पुरुष बॉक्सिंग टीम के मुख्य कोच नियुक्त किए गए हैं। यह उनका तीसरा कार्यकाल होगा। इस नियुक्ति की पुष्टि बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने की। सीए कुटप्पा ने इस पद पर एसएआई रोहतक के कोच धर्मेंद्र यादव की जगह ली है। हालांकि, धर्मेंद्र यादव पुरुष टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बने रहेंगे। बीएफआई के कार्यकारी निदेशक कर्नल अरुण मलिक ने इस बदलाव की जानकारी दी।

हालिया प्रदर्शन बना कारण

भारतीय पुरुष बॉक्सिंग टीम का पिछले कुछ वर्षों का प्रदर्शन अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा है। 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए केवल दो पुरुष मुक्केबाज ही क्वालीफाई कर सके थे। इसके बाद 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप (लिवरपूल) में भारतीय पुरुष टीम 12 साल में पहली बार बिना पदक के लौटी।

अनुभव से भरे हैं कुटप्पा

सीए कुटप्पा पहले भी टोक्यो और पेरिस ओलंपिक के दौरान भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं। वह 2008 बीजिंग ओलंपिक के दौरान राष्ट्रीय सहयोगी स्टाफ का भी हिस्सा थे, जब विजेंदर सिंह ने भारत को बॉक्सिंग में पहला ओलंपिक पदक दिलाया था।

महिला टीम में भी बदलाव

पूर्व हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर सैंटियागो निएवा, जिन्हें पिछले महीने महिला टीम का विदेशी कोच नियुक्त किया गया था, कैंप में शामिल हो चुके हैं। वहीं, महिला बॉक्सिंग टीम की कोच-इन-चार्ज की जिम्मेदारी एसएआई की गीता चानू संभालेंगी। भारतीय मुक्केबाज 12 जनवरी से पटियाला स्थित नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान में प्रशिक्षण ले रहे हैं। यह कैंप 14 मार्च तक चलेगा।

रोहित-कोहली और गंभीर में मतभेद पर कोच ने तोड़ी चुप्पी

कहा-दोनों खिलाड़ी हेड कोच के साथ रणनीति बनाने में देते हैं योगदान

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के हेड कोच गौतम गंभीर के साथ कथित मतभेदों की खबरों पर विराम लगा दिया है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया और कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि टीम मैनेजमेंट और दोनों सीनियर खिलाड़ियों के बीच संवाद की कमी है।

कोटक ने साफ किया कि रोहित और विराट न सिर्फ टीम मैनेजमेंट के संपर्क में हैं, बल्कि फ्यूचर प्लानिंग में भी सक्रिय रूप से शामिल रहते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ी गौतम गंभीर सहित पूरे सपोर्ट स्टाफ के साथ लगातार बातचीत करते हैं और आने वाले दौरों की रणनीति बनाने में योगदान देते हैं।

क्या वाकई था कोई कम्युनिकेशन गैप?

कुछ रिपोर्ट्स में यह कहा गया था कि हेड कोच और दोनों दिग्गज बल्लेबाजों के बीच रिश्ते ठीक नहीं हैं। लेकिन कोटक ने इन सभी दावों को खारिज करते हुए कहा कि रोहित और विराट पूरी तरह से टीम की प्लानिंग प्रक्रिया का हिस्सा हैं। दोनों खिलाड़ी अपने अनुभव साझा करते हैं, रणनीति पर चर्चा करते हैं और आने वाले टूर के लिए सुझाव देते हैं।

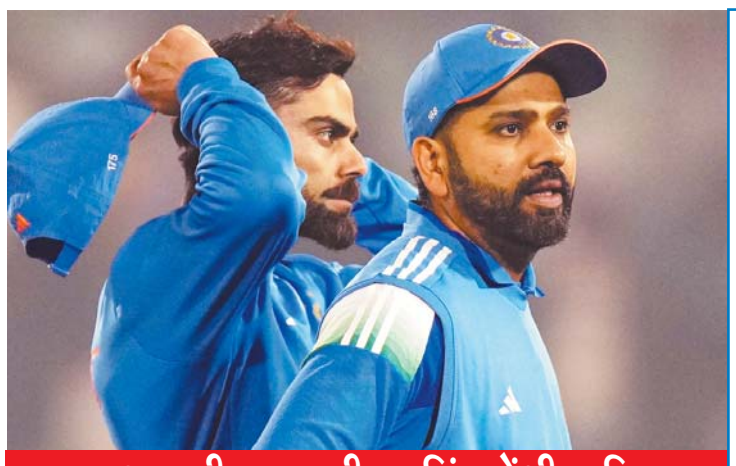

साउथ अफ्रीका टूर की प्लानिंग में भी शामिल

टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब रोहित शर्मा और विराट कोहली सिर्फ वनडे फॉर्मेट पर फोकस कर रहे हैं। कोटक ने बताया कि 22 महीने बाद होने वाले अगले वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए साउथ अफ्रीका टूर की प्लानिंग में भी दोनों खिलाड़ी शामिल हैं। कोटक खुद इन बैठकों का हिस्सा रहे हैं और उन्होंने पहली बार बताया कि दोनों सीनियर खिलाड़ी हर पहलू पर चर्चा करते हैं। दूसरे वनडे से पहले मीडिया से बात करते हुए कोटक ने कहा- वे अपना अनुभव जरूर शेयर करते हैं। मैं हमेशा उन्हें आपस में बात करते हुए देखता हूं। विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच बातचीत न होने की अफवाहों पर उन्होंने कहा- जाहिर है, सोशल मीडिया पर आप बहुत सी चीजें देखते हैं, जिन्हें मैं देखने से बचने की कोशिश करता हूं।

अफवाहें क्यों उड़ीं?

रोहित शर्मा और विराट कोहली के गंभीर के साथ रिश्तों को लेकर चर्चाएं इसलिए तेज हुईं क्योंकि दोनों ने अचानक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया, और इसके पीछे की वजह कभी साफ तौर पर सामने नहीं आई। इसी के चलते सोशल मीडिया पर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं कि टीम मैनेजमेंट और सीनियर खिलाड़ियों के बीच सब कुछ ठीक नहीं है।

वे जानते हैं क्या करना चाहिए: कोटक

कोटक ने कहा- देखिए, दोनों बहुत सीनियर और अनुभवी खिलाड़ी हैं। वे खुद अपनी प्लानिंग करते हैं। अगर उन्हें लगता है कि किसी वेन्यू पर पहले जाकर प्रैक्टिस करनी चाहिए, तो वे जाते हैं। वे जानते हैं कि उन्हें अपने शरीर, फिटनेस और बल्लेबाजी के लिए क्या चाहिए। वे पूरी तरह प्रोफेशनल हैं। उन्हें यह बताने की जरूरत नहीं पड़ती कि क्या करना है। उनके पास इतना अनुभव है कि वे दूसरे खिलाड़ियों को भी बहुत कुछ सिखा सकते हैं और वे ऐसा करते भी हैं। अब रोहित शर्मा और विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में खेलते नजर आएंगे। यह मुकाबला राजकोट में होगा।

34 रन बनाते ही बना लेंगे रिकॉर्ड

शिखर धवन और विराट कोहली को पीछे छोड़ने के करीब श्रेयस

राजकोट, एजेंसी

भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच के दौरान एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। अगर श्रेयस ऐसा करने में सफल रहे तो वह विराट कोहली और शिखर धवन को पीछे छोड़ देंगे। श्रेयस ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी और वडोदरा में खेले गए मैच में 47 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 49 रन बनाए थे। श्रेयस के वनडे में 68 पारियों में 47.83 के औसत से 2966 रन हैं जिसमें पांच शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। श्रेयस अगर 34 रन और बना लेते हैं तो वह वनडे में सबसे तेजी से 3000 रन पूरे करने वाले भारतीय बन जाएंगे। फिलहाल ये रिकॉर्ड शिखर धवन के नाम है जिन्होंने 72 पारियों में वनडे में 3000 रन पूरे किए थे, जबकि कोहली ने 75 पारियों में ऐसा किया था।

रिचर्ड्स की बराबरी करने का मौका

अगर श्रेयस दूसरे वनडे मैच के दौरान वनडे में 3000 रन पूरे करने में सफल रहे तो वह ऐसा करने वाले दुनिया के चौथे सबसे तेज बल्लेबाज होंगे और इस मामले में विवियन रिचर्ड्स की बराबरी कर लेंगे। ओवरऑल ये रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला के नाम है जिन्होंने 57 वनडे पारियों में 3000 रन पूरे किए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच के दौरान श्रेयस ने तीसरे विकेट के लिए विराट कोहली के साथ 77 रनों की साझेदारी की थी जिससे भारत 301 रन का पीछा करने में सफल रहा था। श्रेयस को पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोट लगी थी जिस कारण वह मैदान से बाहर रहे थे। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलकर मैदान पर वापसी की थी।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

सलमान खान के दोस्त संग नाम जुड़ने पर ट्रोल हुईं माही,

एक्स वाइफ के सपोर्ट में जय ने ट्रोलर्स को सुनाई खरी-खरी

टीवी एक्ट्रेस माही विज और जय भानुशाली तलाक के बाद भी लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। कपल ने जबसे अलग होने का ऐलान किया है तभी से माही को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। माही का नाम सलमान खान के करीबी दोस्त नदीम संग भी जोड़ा गया। नदीम संग माही की डेटिंग की अफवाहों पर अब जय भानुशाली ने रिएक्ट किया है।

दरअसल, जय भानुशाली संग तलाक के बाद माही विज ने दोस्त नदीम के बर्थडे पर उनके साथ एक फोटो शेयर की थी और कैप्शन में उन्होंने नदीम पर प्यार लुटाया था। माही ने नदीम को अपना घर, परिवार, सुकून बताया था। उन्हें आई लव यू भी बोला।

नदीम के लिए माही की पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। लोगों ने माही और नदीम को लिंक करना शुरू दिया। दोनों की डेटिंग को लेकर चर्चाएं होने लगीं। माही को ट्रोल भी किया गया। नदीम संग नाम जुड़ने पर माही ने वीडियो शेयर करके उन्हें ट्रोल करने वालों को खरी-खोटी सुनाई। माही ने कहा कि उन्हें बदनाम किया जा रहा है। नदीम उनके सिर्फ दोस्त हैं। नदीम संग उनका नाम जोड़ने वाले लोगों को शर्म आनी चाहिए।

कहानी में कोई विलेन नहीं

माही की ट्रोलिंग देखते हुए उनके एक्स हसबैंड जय भानुशाली भी उनके सपोर्ट में आगे आए। जय ने माही का वीडियो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करके कहा कि उनकी कहानी में कोई विलेन नहीं है। जय ने लिखा- हमारी स्टेटमेंट में ये साफ लिखा था कि हमारी कहानी में कोई भी विलेन नहीं है। लेकिन फिर भी लोग हमारी कहानी में विलेन बनाना चाहते हैं। बंद करो। बता दें कि माही और जय लंबे समय से सेपरेशन की खबरों को लेकर चर्चा में थे। मगर 4 जनवरी को दोनों ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी करके तलाक का ऐलान कर दिया था। दोनों के सेपरेशन से फैंस को तगड़ा झटका लगा। बता दें कि तलाक के बाद जय और माही साथ मिलकर बच्चों की परवरिश कर रहे हैं। उनके बीच कोई कड़वाहट नहीं है।

हक देख गदगद हुईं सामंथा, यामी गौतम की परफॉर्मेंस को बताया शब्दों से परे

यामी गौतम की हालिया रिलीज फिल्म हक को दर्शकों और फिल्मी सितारों की खूब सराहना मिल रही है। फिल्म को मिल रही तारीफों का सिलसिला जारी है। करण जौहर और आलिया भट्ट ने हाल ही में यामी की एक्टिंग की जमकर वाहवाही की। अब अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने भी फिल्म और यामी के परफॉर्मेंस को दिल छू लेने वाला बताया। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर कहा कि हक की कहानी गहरी, संवेदनशील और बिना किसी पूर्वाग्रह के है, जिसे यामी ने इतनी शानदार तरीके से पर्दे पर निभाया है। सामंथा ने यामी गौतम की एक्टिंग की जमकर तारीफ करते हुए यामी की परफॉर्मेंस को शब्दों से परे बताया, उन्होंने लिखा, फिल्म देखते ही मुझे तुरंत यह लिखना पड़ा, क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि जो खूबसूरत एहसास मुझे मिला, वह कहीं खो जाए। सामंथा ने लिखा, ऐसी कहानियां बहुत कम मिलती हैं। इतनी गहरी, इतनी लेयर्ड और पूरी तरह जजमेंट या बायस से मुक्त। और यह और भी खास है जब इन्हें इतने शानदार एक्टर ने जीवंत किया हो। यामी गौतम आपकी परफॉर्मेंस ने मुझे इस तरह प्रभावित किया जिसे मैं पूरी तरह से बता नहीं सकती। मैंने एक साथ सब कुछ महसूस किया - प्यार, गुस्सा, ताकत, कमजोरी, उम्मीद।

मेट्रो बाजार

दिसंबर में ऑटो सेल्स में रिकॉर्ड बढ़त, कारों की बिक्री ऑल-टाइम हाई पर पहुंची

नई दिल्ली। दिसंबर में ऑटो सेल्स में रिकॉर्ड बढ़त देखने को मिली है और पैसेंजर वाहनों से लेकर दोपहिया वाहनों की बिक्री में मजबूत इजाफा देखा गया है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से मंगलवार को जारी किए गए आंकड़ों में बताया गया कि दिसंबर में थोक पैसेंजर वाहनों (मैन्युफैक्चरर्स से डीलर्स तक) की बिक्री में सालाना आधार पर करीब 27 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। दिसंबर 2025 में 3,99,216 यूनिट्स पैसेंजर वाहनों की बिक्री हुई है, यह आंकड़ा पिछले साल की समान अवधि के 3,14,934 यूनिट्स से 26.8 प्रतिशत अधिक है। दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 39 प्रतिशत बढ़कर 15,41,036 यूनिट्स रही है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 11,05,565 यूनिट्स थी। तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 61,924 यूनिट्स रही है, जो कि दिसंबर 2024 में 52,733 यूनिट्स थी। सियाम के आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर-दिसंबर अवधि (वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही) में पैसेंजर वाहनों की थोक बिक्री 12.76 लाख यूनिट्स रही है। यह बिक्री का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसमें पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 20.6 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 बनेगा भारत के लिए ऐतिहासिक मौका : एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाला इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 भारत को दुनिया में एक ऐसे बड़े केंद्र के रूप में स्थापित करेगा, जो जिम्मेदार और सभी को साथ लेकर चलने वाली एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भविष्य तय करेगा। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, डिजिटल इंडिया आस्क आवर एक्सपर्ट्स के 38वें एपिसोड में इस समिट की जानकारी दी गई। यह सम्मेलन 16 से 20 फरवरी तक देश की राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किया जाएगा।

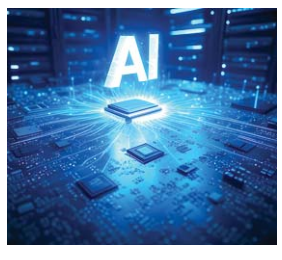

विशेषज्ञों ने बताया कि यह समिट तीन मुख्य आधार स्तंभों या सूत्रों, लोग, ग्रह और प्रगति, पर आधारित है। इन सूत्रों पर काम करने के लिए अलग-अलग कार्य समूह चक्र बनाए गए हैं। मंत्रालय के अनुसार, इन कार्य समूहों से निकलने वाले सुझाव और फैसले भारत और दुनिया के विकासशील देशों में एआई से जुड़ी नीतियों, कौशल विकास और उनके इस्तेमाल को दिशा देंगे। विशेषज्ञों ने बताया कि इस समिट में युवाओं, स्टार्टअप्स, महिला इनोवेटर्स और छोटे शहरों यानी टियर-2 और टियर-3 शहरों के छात्रों के लिए कई अवसर होंगे, जिनमें एआई और डेटा लैब्स, वैश्विक चुनौतियां, विचार प्रस्तुत करने के कार्यक्रम और युवाई ग्लोबल यूथ चैलेंज शामिल हैं।

मंत्रालय के बयान में कहा गया कि लोगों को इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 के बारे में भी जानकारी दी गई। यह एक्सपो 16 से 20 फरवरी तक भारत मंडपम में आयोजित होगा, जहां दिखाया जाएगा कि एआई किस तरह शिक्षा, स्वास्थ्य, खेती और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में बदलाव ला रहा है।

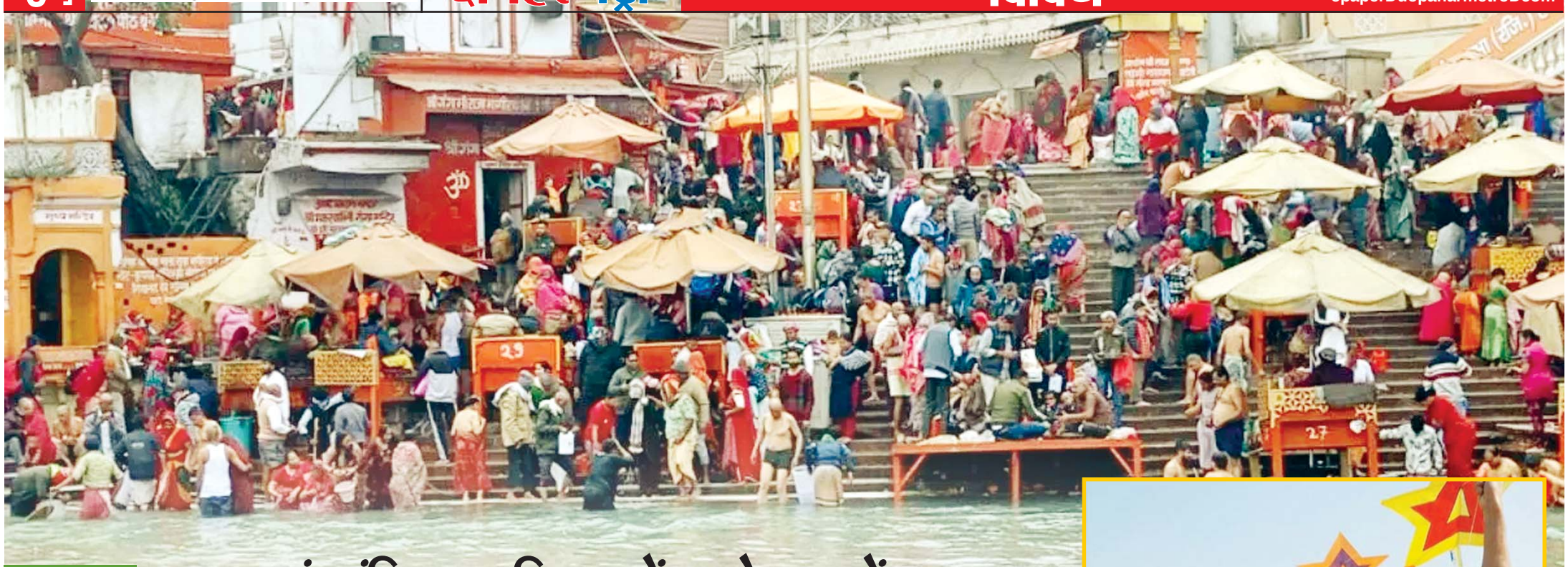

कड़ाके की ठंड के बीच गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

मकर संक्रांति पर हरिद्वार में उमड़े लाखों श्रद्धालु

हरिद्वार, एजेंसी। देशभर में आज मकर संक्रांति का पावन पर्व मनाया जा रहा है। जिसे लेकर लोगों में खासा उत्साह नजर आया। पतंग बाजारों में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों तक सभी ने पतंगों और मांझे की जमकर खरीदारी की। वहीं धर्मनगरी हरिद्वार में आस्था का समुद्र उमड़ पड़ा। तड़के भोर से ही हरकी पैड़ी सहित गंगा के सभी प्रमुख घाटों पर स्नान का सिलसिला जारी है।कड़ाके की ठंड, घना कोहरा और सर्द हवाओं के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं है। ब्रह्म मुहूर्त से ही मां गंगा में हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगा ली है।श्रद्धालुओं की सबसे अधिक भीड़ हरकी पैड़ी क्षेत्र में है। इसके अलावा सुभाष घाट, गौ घाट, सहित अन्य घाटों पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ है । पहाड़ी क्षेत्रों से पारंपरिक देव डोलियों का भी हरिद्वार आगमन हुआ।ढोल-दमाऊं और शंखनाद के साथ देव डोलियां हरकी पैड़ी पहुंची है। घाटों पर हर-हर गंगे और जय मां गंगे के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के साथ दान-पुण्य किया। जिसमें खिचड़ी, तिल, गुड़ और ऊनी वस्त्रों का दान भी किया गया।

न्यूज विंडो

'ग्रीनलैंड के पीएम के लिए दिक्कत बढ़ने वाली है': ट्रंप

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ग्रीनलैंड को अमेरिकी नियंत्रण में लाने को लेकर बयान दे रहे हैं। वहीं, ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री ने डेनमार्क के साथ रहने की प्राथमिकता पर जोर दिया। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'खैर, यह उनकी समस्या है। मैं उनसे असहमत हूं। मैं उन्हें नहीं जानता। उनके बारे में मुझे कुछ भी नहीं पता। लेकिन यह उनके लिए एक बड़ी समस्या बनने वाली है।' वहीं, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं ने राष्ट्रपति ट्रंप के उस आह्वान के खिलाफ एकजुट होकर विरोध जताया है जिसमें उन्होंने अमेरिका से इस रणनीतिक आर्कटिक द्वीप को अपने कब्जे में लेने की बात कही है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्रियों ने मंगलवार को शायद अब तक की अपनी सबसे तीखी प्रतिक्रिया में इस बात पर जोर दिया कि यह क्षेत्र डेनमार्क का हिस्सा है और नाटो सैन्य गठबंधन के दायरे में आता है।

महायुति से अलग चुनाव लड़ना कोई नई बात नहीं: अजित पवार

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख अजित पवार ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव में उनकी पार्टी का महायुति से अलग चुनाव लड़ना कोई नई बात नहीं है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने यह कदम अपने कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने और समर्थन देने के लिए उठाया है।

अजित पवार ने पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ में अपनी पार्टी के अलग चुनाव लड़ने को वोट शेयर को मजबूत करने वाला कदम बताया। उन्होंने याद दिलाया कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में एनसीपी और कांग्रेस ने गठबंधन किया था, लेकिन स्थानीय निकाय चुनावों में अक्सर अलग से मुकाबला किया गया।पवार ने कहा मैं राजनीति में 1999 से हूं। सभी चुनावों में हमने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया, संसद और विधानसभा चुनावों में साथ काम किया, लेकिन स्थानीय निकाय चुनावों में अपने कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने के लिए हम अक्सर एक-दूसरे के खिलाफ लड़ते रहे। इसी तरह भाजपा और शिवसेना के साथ भी हालात रहे हैं। हालांकि, पवार ने स्पष्ट किया कि भाजपा, NCP और शिवसेना के अलग चुनाव लड़ने से राज्य सरकार के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

नाव डूबने से एक ही परिवार के 21 सदस्यों सहित 38 की मौत

टिम्बकटू। उत्तरी माली के टिम्बकटू क्षेत्र में नाइजर नदी में एक नौका के चट्टानों से टकराकर डूबने से 38 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों और मृतकों के परिजनों ने यह जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना दिरे कस्बे में हुई। स्थानीय अधिकारियों ने अभी तक मृतकों की आधिकारिक संख्या जारी नहीं की है, लेकिन क्षेत्रीय निवासी और नेशनल असेंबली के पूर्व अध्यक्ष अल्काइदी टूरे ने बताया कि 38 लोग मारे गए और 23 लोग सुरक्षित किनारे पर पहुंच गए।डिरे निवासी मूसा अग अलमौबारेक ट्राओरे ने कहा कि उन्होंने इस दुर्घटना में अपने परिवार के 21 सदस्यों को खो दिया और उन्होंने शवों को निकालने और गिनती करने में स्थानीय अधिकारियों की मदद की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नाव में वे परिवार और किसान सवार थे जिन्होंने अभी-अभी धान की कटाई की थी। इस नौका को सुबह पहुंचना था क्योंकि रात में सुरक्षा उपायों के कारण नावों का बंदरगाह में प्रवेश प्रतिबंधित है। यह रोक अल कायदा से जुड़े आतंकवादियों के हमलों को रोकने के उद्देश्य से लगाई गई है।

गिग वर्कर्स बोले- जमीनी हकीकत नहीं बदली

10 मिनट डिलीवरी का दावा खत्म लेकिन दबाव अभी भी बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

क्विक कॉमर्स कंपनियों द्वारा ग्राहकों के लिए 10 मिनट में डिलीवरी के वादे को हटाने की कथित घोषणा का असर गिग वर्कर्स की जिंदगी पर फिलहाल बहुत कम दिखाई दे रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में काम कर रहे डिलीवरी एजेंट्स का कहना है कि कमाई अब भी ज्यादा डिलीवरी करने पर ही निर्भर है, इसलिए तेज काम करने का दबाव जस का तस बना हुआ है। बीते साल क्रिसमस और नए साल की पूर्व संध्या पर गिग वर्कर्स ने हड़ताल कर यह मुद्दा उठाया था कि उनसे असुरक्षित तरीके से काम कराया जा रहा है, जबकि दुर्घटना की स्थिति में न तो पुख्ता सुरक्षा है और न ही स्थायी आय की गारंटी।

न्यूनतम वेतन तय नहीं

डिलीवरी एजेंट्स का कहना है कि न्यूनतम वेतन तय नहीं है और प्रति डिलीवरी भुगतान बेहद कम है। ऐसे में उन्हें प्लेटफॉर्म द्वारा दिए जाने वाले इंसेंटिव पर निर्भर रहना पड़ता है, जो न तो स्थायी होते हैं और न ही पारदर्शी। कई एजेंट्स ने पहचान उजागर न करने की शर्त पर अपनी बात रखी।

इंसेंटिव सिस्टम ही तेज डिलीवरी के लिए करता है मजबूर

एक डिलीवरी पार्टनर ने बताया कि रोज 35 से 40 डिलीवरी करने के बाद ही 1,200-1,500 की कमाई हो पाती है। उन्होंने कहा करीब 15 घंटे काम करने के बाद ?1,500-1,600 मिलते हैं। ज्यादा डिलीवरी और इंसेंटिव के चक्कर में हमें गलत साइड से गाड़ी चलानी पड़ती है, जान जोखिम में डालनी पड़ती है। हालांकि कंपनियां यह कहती हैं कि किसी तय समय सीमा में डिलीवरी की बाध्यता नहीं है, लेकिन गिग वर्कर्स का कहना है कि इंसेंटिव सिस्टम ही उन्हें तेज डिलीवरी के लिए मजबूर करता है। एक 25 वर्षीय एजेंट के मुताबिक हमारी रेटिंग और इंसेंटिव इस बात से जुड़े हैं कि हमने कितनी जल्दी और कितनी ज्यादा डिलीवरी की।

15 घंटे काम करने पर ही मिलता है अतिरिक्त भुगतान

गिग वर्कर्स ने यह भी बताया कि इंसेंटिव स्ट्रक्चर दिन में दो से तीन बार बदल जाता है, जो मांग, मौसम और त्योहारों पर निर्भर करता है। एक डिलीवरी एजेंट ने कहा अगर मैंने तीन घंटे लॉगिन किया और उस दिन ऑर्डर कम आए, तो मुझे कोई इंसेंटिव नहीं मिलता। कोई तय वेतन नहीं है। कुछ इंसेंटिव काम के घंटों से भी जुड़े होते हैं। एक अन्य डिलीवरी पार्टनर ने बताया कि उसे करीब 15 घंटे काम करने पर ही अतिरिक्त भुगतान मिलता है।

अभी तक कोई औपचारिक जानकारी नहीं मिली

डिलीवरी एजेंट्स का कहना है कि उन्हें 10 मिनट डिलीवरी ब्रांडिंग हटाने को लेकर कोई औपचारिक जानकारी नहीं दी गई है। एक एजेंट ने कहा अगर ऐसा होता भी है, तो हमारे लिए बहुत कम बदलेगा। अच्छा है कि हमारी आवाज सुनी जा रही है, लेकिन यह काफी नहीं है। एक अन्य डिलीवरी पार्टनर ने कहा कि संघर्ष अभी शुरू हुआ है। सरकार सुन रही है, यह अच्छी बात है। लेकिन जब तक सुरक्षित और तय भुगतान व्यवस्था नहीं बनेगी, तब तक हमारी लड़ाई खत्म नहीं होगी।

ईरान में हाहाकार

प्रदर्शनों पर हुई कार्रवाई में मरने वालों की संख्या 2571 पहुंची

तेहरान, एजेंसी

ईरान में प्रदर्शनों पर हुई कार्रवाई में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 2,571 हो गई है। यह आंकड़ा अमेरिका स्थित मानवाधिकार कार्यकर्ता समाचार एजेंसी से आया है, जिसने हाल के वर्षों में ईरान में हुए कई अशांतियों के दौर में सटीक जानकारी दी है। कार्यकर्ता समूह ने बताया कि मृतकों में 2,403 प्रदर्शनकारी थे और 147 सरकार से जुड़े थे। 12 बच्चों की भी मौत हुई, साथ ही नौ ऐसे नागरिक भी मारे गए जो प्रदर्शनों में भाग नहीं ले रहे थे। समूह ने बताया कि 18,100 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है।

ईरान में इंटरनेट ठप्प

ईरान में इंटरनेट ठप्प होने के कारण विदेशों से प्रदर्शनों का आकलन करना और भी मुश्किल हो गया है। एसोसिएटेड प्रेस स्वतंत्र रूप से हताहतों की संख्या का आकलन करने में असमर्थ रहा है। ईरान सरकार ने हताहतों की कुल संख्या जारी नहीं की है। मौतों का यह आंकड़ा दशकों में ईरान में हुए किसी भी अन्य विरोध प्रदर्शन या अशांति में हुई मृत्यु संख्या से कहीं अधिक है और 1979 की इस्लामी क्रांति के दौरान फैली अराजकता की याद दिलाती है।

आज हो सकती है खामेनेई के विरोधी सुल्तानी को फांसी

ईरानी सरकार ने पहले प्रदर्शनकारियों को मौत की सजा देने की घोषणा की थी। अब इस घोषणा के बाद पहली बार किसी प्रदर्शनकारी को सजा-ए-मौत दी जाने जा रही है। सरकार ने 26 वर्षीय इरफान सुल्तानी को फांसी पर लटकाने का फैसला किया है। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, इरफान को आज ही फांसी दी जा सकती है।

केंद्रीय राज्यमंत्री के घर पहुंचे पीएम मोदी पोंगल और मकर संक्रांति की दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी आज पोंगल उत्सव पर केंद्रीय राज्यमंत्री एल मुरुगन के घर पहुंचे और उनके साथ मिलकर गौ सेवा भी की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पोंगल का त्योहार हमें प्रेरित करता है कि प्रकृति के प्रति आभार केवल शब्दों तक सीमित न रहे। उसे हम जीवन शैली का हिस्सा बनाएं। जब ये धरती हमें इतना कुछ देती है तो उसे संजोने का दायित्व भी हमारा है। अगली पीढ़ी के लिए मिट्टी को स्वस्थ रखना और पानी को बचाना और संसाधनों का संतुलित उपयोग करना सबसे जरूरी है।

पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया की लगभग सभी सभ्यताओं में फसलों से जुड़ा कोई न कोई पर्व मनाया जाता है। तमिल संस्कृति में किसान को जीवन का आधार माना गया है। तिरुक्कुरल में कृषि और किसानों पर विस्तार से लिखा गया है। हमारे किसान राष्ट्र निर्माण के मजबूत साथी हैं।

इससे पहले पीएम मोदी ने नागरिकों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी और उनके सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में लिखा 'संक्रांति का यह पावन पर्व देश के विभिन्न हिस्सों में स्थानीय रीति-रिवाजों और परंपराओं के अनुसार मनाया जाता है।

कुएं में गिरे तेंदुआ की डूबने से हो गई मौत, वीडियो ही बनाते रहे लोग

बड़वानी। प्रदेश के बड़वानी जिले के सेंधवा वन मंडल में लापरवाही और देरी एक तेंदुए की जान पर भारी पड़ गई। लोग वन विभाग को सूचना देने की बजाय कुएं में संघर्ष कर रहे तेंदुए का वीडियो बनाते रहे। मंगलवार को शिकार के दौरान कुएं में गिरे करीब ढाई वर्ष के नर तेंदुए की डूबने के कारण मौत हो गई। यह घटना बलवाड़ी सबडिवीजन के छतरी पडावा गांव के बाहरी क्षेत्र में दल सिंह के खेत में स्थित कुएं में हुई।

सेंधवा के वन मंडलाधिकारी आईएस गडरिया ने बताया कि तेंदुआ संभवतः किसी शिकार का पीछा करते हुए पानी से भरे सीमेंट कांक्रीट कुएं में गिर गया। कुएं की पैरापेट दीवार काफी नीची थी और अंदर की सतह चिकनी होने के कारण तेंदुआ किसी सहारे को पकड़कर बैठ नहीं सका। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तेंदुआ मंगलवार तड़के करीब चार से पांच बजे के बीच कुएं में गिरा और कई घंटों तक अपनी

जान बचाने के लिए संघर्ष करता रहा।सुबह स्कूल जाने वाले बच्चों ने कुएं से आती आवाजें सुनीं और झांककर देखा, जिसके बाद उन्होंने ग्रामीणों को जानकारी दी। इसके बावजूद ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना नहीं दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ लोग तेंदुए की मदद करने या विभाग को सूचना देने के बजाय उसके वीडियो बनाते रहे, जिससे बहुमूल्य समय नष्ट हो गया।

मेट्रो एंकर

कुरुक्षेत्र में आयोजित पशु मेले में 51.30 लाख की मुर्रा नस्ल की भैंस के चर्चे

'सुंदरा' का कमाल, 30 किलो दूध देकर मालिक को दिया बुलेट का तोहफा

अंबाला, एजेंसी

हरियाणा में अंबाला के रवींद्र सिंह उर्फ बिल्लू की मुर्रा नस्ल की भैंस 'सुंदरा' ने कुरुक्षेत्र में आयोजित पशु मेले में 29.650 किलोग्राम दूध देकर पहला स्थान हासिल किया है। इस जीत के साथ बिल्लू को बुलेट मोटरसाइकिल इनाम में मिली है। उन्होंने इस भैंस को पिछले साल 51.30 लाख रुपये में खरीदा गया था। जो कि दुनिया की सबसे महंगी भैंसों में से एक मानी जाती है और लगातार प्रतियोगिताओं में अपनी कीमत साबित कर रही है। यह सुंदरा का एक साल में तीसरा बड़ा इनाम है। इससे पहले वह एक प्रतियोगिता में ट्रैक्टर और दूसरी में दो लाख रुपये कैश पुरस्कार जीत चुकी है।

कुरुक्षेत्र में डेयरी फार्म एसोसिएशन हरियाणा की ओर से आयोजित तीन दिवसीय पशु मेले में बिल्लू की भैंस 'सुंदरा' ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा। 29.650 किलोग्राम दूध देकर उसने प्रतियोगिता में पहला नंबर हासिल किया। इस उपलब्धि के लिए बिल्लू को बुलेट मोटरसाइकिल बतौर इनाम में दी गई।

सुंदरा के लिए साल में तीसरी बड़ी जीत

भैंस के मालिक बिल्लू ने बताया कि यह सुंदरा के लिए एक साल में तीसरी बड़ी जीत है। इससे पहले उसने एक प्रतियोगिता में ट्रैक्टर जीता था। वहीं एक दूसरी प्रतियोगिता में बिल्लू को उसकी भैंस के प्रदर्शन के लिए दो लाख रुपये कैश पुरस्कार के रूप में मिले थे। इन लगातार सफलताओं से बिल्लू और उनका पूरा परिवार बहुत खुश और उत्साहित हैं। यह जीत न केवल भैंस की गुणवत्ता को दर्शाती है। यह भैंस सिर्फ अपनी दूध उत्पादन क्षमता के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी कीमत के लिए भी चर्चा में है।

भैंस के मालिक रवींद्र सिंह बिल्लू का मानना है कि पशुपालन में सबसे महत्वपूर्ण चीज पशुओं की नस्ल (ब्रीड) होती है। वे कहते हैं कि पशुपालन में सबसे ज्यादा महत्व ब्रीड का होता है। पहले मेरे पिता अपने हिसाब से पशु रखते थे, लेकिन उन्हें ब्रीड के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। अगर हमारे पास अच्छे ब्रीड के पशु हैं, तो हम मेले में प्रतियोगिता जीत सकते हैं। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2025 में उन्होंने दो प्रतियोगिताएं जीती थीं। एक में उन्हें ट्रैक्टर मिला था और दूसरी में दो लाख रुपये नकद। कुरुक्षेत्र में हुई हालिया प्रतियोगिता में उनकी भैंस ने पहला स्थान जीतकर उन्हें बुलेट बाइक दिलाई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564